Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 | अंक: 58 | जयपुर, शुक्रवार, 02 अगस्त 2024 | पृष्ठ:8 | मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का आयोजन

9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होगी समिट, सीएम ने लॉच किया लोगो

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भजनलाल सरकार अपने पहले कार्यकाल में ही राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट आयोजित करने जा रही हैं। इस साल 9 से 11 दिसम्बर को जयपुर में यह समिट आयोजित होगी। सीएम भजनलाल शर्मा ने आज इंवेस्टमेंट समिट का लोगो लॉच किया। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम पिछली सरकारों की तरह नहीं हैं जो इस तरह के सम्मेलन अपने कार्यकाल के अंतिम समय में आयोजित करती थी। ताकि हिसाब नहीं देना पड़े। हम चुनौतियों से घबराते नहीं हैं और इसलिए अपने कार्यकाल के पहले साल में ही हम 'राइजिंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने आज भारतीय परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी और उनकी टीम के साथ समिट को लेकर चर्चा की। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस इन्वेस्टमेंट समिट का उद्देश्य देशी-विदेशी कंपनियों, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को प्रदेश की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश का बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए हर संभव पहल कर रही है और इसी क्रम में आयोजित किए जा रहे इस निवेश सम्मेलन से प्रदेश के विकास के साथ रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे।

समिट से पहले सिंगल-प्वाइंट निवेशक इंटरफ़ेस लॉन्च

इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में निवेश करने के लिए इच्छुक निवेशकों के लिए सिंगल-प्वाइंट निवेशक इंटरफ़ेस को भी लॉन्च किया। ताकि निवेशक सरकार के साथ आसानी से एमओयू कर सकें। इस सिंगल-प्वाइंट निवेशक इंटरफ़ेस प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेशक राज्य सरकार के साथ एमओयू के लिए अपनी मंशा ऑनलाइन जाहिर कर सकते हैं। वहीं उनके प्रस्तावों को मंज़ूरी भी ऑनलाइन दी जाएगी। इस पहल के लॉन्च किये जाने के तुरंत बाद राइजिंग राजस्थान के आयोजन के लिए नोडल विभाग ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन को करीब 8 हज़ार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से प्रदेश में आने वाले निवेश को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए राज्य सरकार की ओर से निवेशकों की हर संभव मदद की जाएगी। निवेशकों को उनके द्वारा किए जाने वाले निवेश संबंधित क्षेत्र की सभी जानकारी पहले ही उपलब्ध करवायी जाए।

राजस्थान निवेशकों के लिए आदर्श प्रदेश

इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हमारे राज्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं और इसलिए राजस्थान निवेशकों के लिए एक आदर्श प्रदेश है। ताकि उन्हें निवेश को धरातल पर मूर्तरूप देने में आसानी रहे। राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन के जरिए हम केवल एमओयू नहीं करना चाहते हैं, बल्कि राजस्थान में वास्तविक निवेश लाना चाहते हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस इन्वेस्टमेंट समिट का उद्देश्य देशी-विदेशी कंपनियों, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को प्रदेश की ओर आकर्षित करना है। ग्लोबल कंपनियों को राज्य में लाना, राज्य में अवस्थित प्रचुर खनिज और प्राकृतिक संसाधनों तथा प्रतिभाशाली वर्कफोर्स का लाभ उठाना, मौजूदा व्यवसायों को विकास के नए अवसर प्रदान करने जैसे कई लक्ष्यों का संधान करना इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य है, ताकि हमारे राज्य के युवाओं के लिए नित नए अवसर पैदा हो। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा, कन्फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी सहित सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

हाईकोर्ट हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनेगा, दावा- ईदगाह गर्भगृह की जमीन पर

■ संजीवनी टुडे

प्रयागराज/मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार (1 अगस्त) को यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाएं एक साथ सुनी जाएंगी। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया मस्जिद नहीं है। वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का गर्भगृह है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि 1968 में हुए समझौते के तहत मस्जिद के लिए जगह दी गई थी। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनवाई लायक नहीं है। हालांकि, हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद मुस्लिम पक्ष की इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अब 12 अगस्त से हिंदू पक्ष की 18 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई होगी। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा- 25 सितंबर 2020 को पहली याचिका दायर हुई थी। 4 महीने सुनवाई हुई। आज हाईकोर्ट ने 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना। अब इस केस में ट्रायल चलेगा। हम लोगों को मौका मिलेगा कि हम सबूत

पेश कर सकें। अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी ईदगाह मस्जिद साल 1670 में औरंगजेब ने बनवाई थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बनाया गया है। इसे वहां से हटाने की मांग की है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर साबित होगा। शुरू से ही शाही ईदगाह पक्ष के लोग रहे हों, या सुन्नी वक्फ बोर्ड के लोग... कहते रहें कि केस सुनवाई योग्य नहीं है। आज हाईकोर्ट द्वारा स्पष्ट कर दिया गया कि यह केस सुनवाई योग्य है। ये लोग (मुस्लिम पक्ष) लोअर कोर्ट और हाईकोर्ट में केस को अयोध्या की तरह से लंबा खिंचना चाहते थे। हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

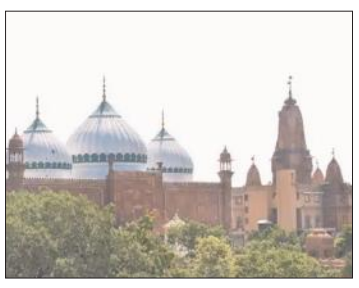

देश का मानसून ट्रैकर:हिमाचल-उत्तराखंड में बादल फटे

जम्मू के किश्तवाड़ में भारी बारिश से बाढ़, जयपुर में बेसमेंट में डूबने से 3 की मौत

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर इलाकों में मानसून जमकर सक्रिय है। जम्मू के किश्तवाड़ में गुरुवार (1 अगस्त) को बादल फटने से बाढ़ आ गई है। इससे पहले हिमाचल में देर रात 4 जगह बादल फटे। इससे रामपुर के समेज खड्ड में कई घर बह गए। यहां 2 लोगों के शव मिले हैं, जबकि 52 लोग लापता हैं। गक्टक्कऔर एसडीआरएफ रेस्क्यू में जुटी हैं। वहीं, मलाणा में पार्वती नदी में पानी बढ़ने के बाद पावर प्रोजेक्ट का डैम टूट गया। कुल्लू और मंडी में भी भारी तबाही हुई है। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल के घनसाली में भी बुधवार रात बादल फटे। यहां दो लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल है। केदारनाथ में बादल फटने से यात्रा रूट पर 30 मीटर की सड़क मंदाकिनी नदी में समा गई। यात्रा रोक दी गई है और 200 से ज्यादा लोग फंसे हैं। इधर, राजस्थान के जयपुर में एक घर के बेसमेंट में डूबने से एक बच्चे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। बुधवार रात तेज बारिश के कारण दीवार ढहने से 25 लोग दो घरों में फंस गए थे। बाहर निकलते समय तीन लोग बेसमेंट में भरे पानी में डूब गए। कुल्लू के रायसन के पास बादल फटने से मनाली-चंडीगढ़ हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद मंडी जिले की पार्वती नदी में बाढ़ आ गई।

वीडियो अच्छी क्वालिटी में उपलब्ध नहीं है। शिमला के रामपुर में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। कई लोगों के लापता होने की खबर है। धर्मशाला जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले चार-पांच दिन तक बारिश जारी रहेगी। कुल्लू में कलेक्टर तोरुल एस रवीश ने भारी बारिश के बाद सभी शिक्षण संस्थानों में 1 और 2 अगस्त को छुट्टी घोषित कर दी है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला के रामपुर में समेज खड्ड में खोज और बचाव अभियान का जायजा लेने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। डिप्टी कमिश्नर अनुपम कश्यप ने बताया कि रामपुर में गक्टक्क एत्र्ङ्कक्क और होमगार्ड की टीम मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

हिमाचल के मनाली में 5 मंजिला बिल्डिंग नदी में गिरी

हिमाचल प्रदेश के मनाली में मणिकर्ण सड़क पर सब्जी मंडी की पांच मंजिला बिल्डिंग ढह गई। बारिश के बाद ब्यास नदी का जल स्तर बढ़ने से बिल्डिंग की नींव कमजोर पड़ गई थी। इस वजह से आज गुरुवार सुबह बिल्डिंग नदी में जा गिरी। बारिश के बाद मंडी के पंडोह डैम के गेट खोले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में आलू ग्राउंड में बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला गया। वीडियो अच्छी क्वालिटी में उपलब्ध नहीं है।

रेल मंत्री बोले- हम काम करते हैं, रील नहीं बनाते

दो दिन पहले प्रियंका चतुर्वेदी बोली थीं- वे रेल नहीं, रील मंत्री बनना चाहते हैं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार (1 अगस्त) को नौवां दिन है। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेनों की सेफ्टी पर बात की। इस पर विपक्ष ने ताजा हादसों पर सवाल पूछा और हंगामा किया। रेल मंत्री ने कहा- हम रील बनाने वाले नहीं, काम करने वाले लोग हैं। जो लोग यहां चिल्ला रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि सत्ता में रहने के 58 सालों में वे 1 किमी दूर भी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) क्यों नहीं लगा पाए। आज वे सवाल उठाने की हिम्मत करते हैं। जब ममता बनर्जी रेल मंत्री थीं तो वे दुर्घटनाओं की संख्या बताती थीं कि 0.24 से घटकर 0.19 हो गई, ये लोग सदन में ताली बजाते थे और आज जब यह 0.19 से घटकर 0.3 हो गई है तो वे इस तरह का आरोप लगाते हैं। क्या यह देश ऐसे ही चलेगा? वैष्णव ने आगे कहा- कांग्रेस सोशल मीडिया की अपनी ट्रोल सेना की मदद से झूठी बातें उठाती है। क्या वे उन 2 करोड़ लोगों के दिलों में डर भरने की कोशिश कर रहे हैं जो हर दिन रेलवे से यात्रा करते हैं?'' असल में शिवसेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 30 जुलाई को कहा था- हम हर दूसरे दिन पढ़ रहे हैं कि ट्रेन डिरेलमेंट हो रहा है।

रेल मंत्री बोले- 10 सालों में रेलवे में 5 लाख से ज्यादा भर्ती

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, अगर रेलवे में भर्ती की बात करें तो ठ्ठध्इ के कार्यकाल में 2004 से 2014 तक रेलवे में सिर्फ 4 लाख 11 हजार कर्मचारियों की भर्ती हुई थी, जबकि 2014 से 2024 तक यानी गक्द्ब के 10 सालों में ये संख्या 5 लाख 2 हजार है। जिसकी सालों से मांग हो रही थी - रेलवे भर्ती के लिए एक वार्षिक कैलेंडर हो, हमने इसे जनवरी 2024 में घोषित कर दिया है। जो युवा रेलवे में जाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, उनके लिए अब साल में 4 बार वैकेंसी निकलती हैं - जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में। अभी भी 40,565 वैकेंसी निकाली हैं जिन्हें भरा जाना है। लोगों की जान चली जाती है और उसमें कोई कार्रवाई नहीं की जाती। रेल मंत्री अपने प्रचार में व्यस्त हैं। वे यही सोचते हैं कि कैसे मैं रेल मंत्री की जगह रील मंत्री बन जाऊं। इंस्टाग्राम पर रील पोस्ट करूं और वाहवाही लूटूं। लगता है कि रेलवे का 30% बजट उनके प्रचार में ही जाता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा- यूपीए के कार्यकाल में सालाना औसत 171 एक्सीडेंट होते थे। हमारी सरकार में एक्सीडेंट की संख्या में 68% की कमी आई है। इस पर विपक्ष हंगामा करने लगा। तब वैष्णव ने कहा- विपक्ष अपने गिरेबान में झांकिए। आपने 58 सालों में एटीपी तक नहीं लगाया।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा

■ संजीवनी टुडे

भारतीय सीमा में घुस रहा था; राजौरी में आतंकी ठिकाने से हथियार बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में भारत-पाक बॉर्डर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया है। बीएसएफ के आईजी डीके बूरा ने गुरुवार (1 अगस्त) को बताया कि घुसपैठिए को बुधवार रात करीब 10 बजे खोरा पोस्ट के पास भारतीय इलाके में घुसते देखा गया। बीएसएफ जवानों की चेतावनी के बाद भी घुसपैठिया नहीं रुका, जिसके बाद फायरिंग में वह मारा गया। सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि घुसपैठिया भारत-पाक सीमा की जीरो लाइन पार कर रहा था जो बॉर्डर प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। घटना को पाकिस्तान की ओर से उकसाने की कोशिश की तरह देखा जा रहा है। घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के आधार पर सेना, पुलिस और बीएसएफ जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में जॉइंट सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इसी दौरान राजौरी जिले के कालाकोट इलाके में एक आतंकी ठिकाने का पता चला है। यहां इख राइफल और अन्य हथियार बरामद हुए हैं। राष्ट्रीय राइफल की रोमियो फोर्स ने मंगलवार (30 जुलाई) को पुंछ जिले में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया। आतंकी के पास एक विदेशी पिस्तौल भी मिली है। पाकिस्तान में एक्टिव एक व्हाट्सएप नंबर का भी पता लगा है, जिसके जरिए एक हैंडलर मोहम्मद खलील को काम सौंप रहा था। आरोपी पुलिस की हिरासत में है और आगे की जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शनिवार (27 जुलाई) को माछिल सेक्टर के पास जंगल एरिया में एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था। एनकाउंटर में राइफलमैन मोहित राठौर शहीद और मेजर समेत 4 जवान घायल हो गए। न्यूज एजेंसी इगत्रने रक्षा विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम (उइट्ठ) आतंकियों की घुसपैठ करा रही थी।

नई संसद की छत से पानी लीक, नीचे बाल्टी रखी: विपक्ष बोला

संसद के बाहर पेपर लीक और अंदर पानी लीक, लोकसभा सचिवालय बोला- ठीक करा लिया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। एक साल पहले बनकर तैयार हुई नई संसद की छत से पानी लीक होने का एक वीडियो सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि संसद की लॉबी में छत से पानी गिर रहा है और उसके नीचे एक बाल्टी रखी है जिसमें पानी जमा हो रहा है। यह वीडियो कांग्रेस के मणिकम टैगोर ने शेयर कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- संसद के बाहर पेपर लीक और अंदर पानी लीक। इसे लेकर लोकसभा सचिवालय ने कहा कि ग्रीन संसद की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए संसद भवन के कई हिस्सों में कांच के गुंबद (ग्लास डोम) लगाए गए हैं, ताकि नेचुरल लाइट आ सके। इसमें लॉबी भी शामिल है। बुधवार को भारी बारिश के बाद ग्लास डोम को सील करने के लिए लगाया गया ग्लू हट गया था, जिसके चलते पानी का रिसाव हुआ। हालांकि इसे अब ठीक कर लिया गया है। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से बारिश के चलते हालात बेहद खराब हैं। 27 जुलाई को ओल्ड राजेंद्र नगर में बारिश के बाद पानी भरने से राउ कोचिंग इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में पानी भर गया। इसमें तीन स्टूडेंट्स की जान चली गई। वहीं, 31 जुलाई को सिर्फ एक घंटे में 114 मिमी बारिश हुई।

अखिलेश बोले- इससे तो पुरानी संसद अच्छी थी

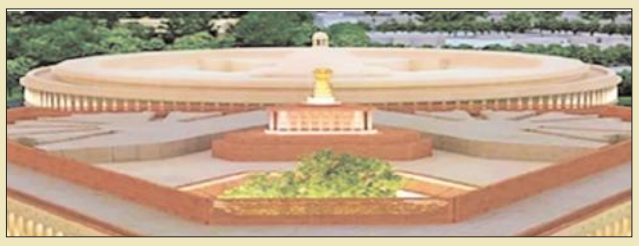

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम से कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है। जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनाई गई डिजाइन का हिस्सा होता है या फिर वहीं सपा के मीडिया सेल ने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार में नेता इंजीनियर बन जाते हैं, इंजीनियरों को निर्देश देना शुरू कर देते हैं, काम में दखलंदाजी और आर्किटेक्चर में दखल देते हैं जिसका परिणाम सामने है। नए संसद भवन में पानी टपक रहा है। न पानी निकासी के इंतजाम हैं, न सीवर ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त है। भाजपा सरकार में दिल्ली हो या यूपी दोनों जगह यही हो रहा है। इसके चलते संसद, सुप्रीम कोर्ट, एम्स, लुटियंस दिल्ली, भारत मंडपम, इंडिया गेट-रिंग रोड टनल, प्रगति मैदान पानी में डूबे रहे। नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई 2023 को हुआ था। प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। नए संसद भवन का निर्माण 15 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। इस बिल्डिंग को पिछले साल नवंबर में पूरा हो जाना था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनी ये बिल्डिंग प्रधानमंत्री मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे 28 महीने में बनाया गया।

पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत खारिज

यूपीएससी ने धोखाधड़ी-जालसाजी की एफआईआर दर्ज कराई थी, एक दिन पहले आईएएस सिलेक्शन भी रद्द किया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। ट्रेनी आईएएस अफसर रही पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका दिल्ली कोर्ट ने खारिज कर दी है। पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार 1 अगस्त को दिल्ली पुलिस को आदेश दिया कि यूपीएससी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले बाकी कैंडिडेट्स की भी जांच की जाए। साथ ही अगर यूपीएससी के किसी कर्मचारी ने पूजा की मदद की हो, तो उसकी भी जांच हो। पूजा खेडकर पर उम्र, माता-पिता की गलत जानकारी, पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने का आरोप था। यूपीएससी ने दस्तावेजों की जांच के बाद पूजा को सीएसई-2022 नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था। इसके बाद यूपीएससी ने उनके खिलाफ एफआईआर कराई थी। धोखाधड़ी और जालसाजी के इस केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए पूजा ने अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट में यूपीएससी के वकील ने कहा था कि उन्होंने सिस्टम को धोखा दिया है। वह एक साधन संपन्न व्यक्ति हैं और उनके द्वारा कानून का दुरुपयोग करने की संभावना बनी हुई है। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। यूपीएससी ने बुधवार 31 जुलाई को पूजा का सिलेक्शन रद्द कर दिया था। साथ ही भविष्य में यूपीएससी का कोई एग्जाम देने पर भी रोक लगा दी थी। पूजा को एग्जाम में 2022 में 841वीं रैंक मिली थी। वे 2023 बैच की ट्रेनी आईएएस थीं और जून 2024 से ट्रेनिंग पर थीं। यूपीएससी ने बताया था कि पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने के लिए 18 जुलाई को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया था। इसमें कहा गया है कि पूजा को 25 जुलाई तक अपना जवाब देना था, लेकिन उन्होंने अपने जवाब के लिए जरूरी दस्तावेज जुटाने के लिए 4 अगस्त तक का समय मांगा। आयोग ने कहा- उन्हें फिर 30 जुलाई को दोपहर 3:30 बजे तक समय दिया।

वायनाड में लैंडस्लाइड- अब तक 293 मौतें

सेना बोली- रेस्क्यू खत्म, शव खोजने का काम जारी, राहुल-प्रियंका पीड़ितों से मिले

■ संजीवनी टुडे

वायनाड। केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 293 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 240 से ज्यादा लोग आज तीसरे दिन भी लापता हैं। मौसम विभाग ने आज (गुरुवार को) फिर से वायनाड में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने फिर से कुछ जगहों पर लैंडस्लाइड का खतरा जताया है। वहीं, आर्मी के जनरल कमांडर ऑफिसर मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। अब हम केवल शवों को खोजने का काम कर रहे हैं। अगर हमें घरों में कोई फंसा मिलेगा तो उसे निकालेंगे। बारिश के चलते काम में दिक्कत आ रही है। आर्मी के 5 टीमों और 3 डॉग्ज को यहां डिप्लॉय किया गया है। शाम को खतरे के चलते ऑपरेशन बंद कर देंगे। इस बीच राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चूरलमाला पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात की। लैंडस्लाइड से सबसे ज्यादा नुकसान यहीं हुआ है। यहां के बाद दोनों रिलीफ कैंप जाकर पीड़ितों से मिलेंगे।

वायनाड कलेक्टर ने लोगों से घरों को छोड़ने को कहा

वायनाड कलेक्टर डीआर मेगाश्री ने भारी बारिश और लैंडस्लाइड की आशंका के बीच कुरुम्बालाकोट्टा, लाकिती मणिकुन्नु माला, मुत्तिल कोलपारा कॉलोनी, कपिकालम, सुधांगिरी और पोशुथाना इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने घरों को छोड़ने को कहा है। इससे पहले बुधवार को लोगों से लैंडस्लाइड वाले इलाकों से दूरी बनाने की वॉर्निंग दी गई। राहुल वायनाड और रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी। अब प्रियंका वायनाड से चुनाव लड़ने वाली हैं। राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सुबह 9.30 बजे कन्नूर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे सड़क के रास्ते वायनाड पहुंचे।मेप्पाड़ी में सेना और गक्टक्कने अस्थायी पुल बनाया है। विजिट के दौरान राहुल-प्रियंका यहीं से लैंड स्लाइड प्रभावित इलाके में पहुंचे। विजिट के दौरान दोनों ने लैंड स्लाइड प्रभावितों से बात की। चूरलमाला और मेप्पाडी में एक अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्चुरी भी पहुंचे।

खबरें फटाफट

मूर्ति मीणा को डॉक्टरेट की उपाधि

संजीवनी टुडे

दौसा। लालसोट के मंडॉवरी निवासी मूर्ति मीणा को रविवार को नई दिल्ली मे एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा मानद (डॉक्टरेट) उपाधि प्रदान की गयी। गौरतलब हैं कि मूर्ति पिछले 11-12 सालों से कई सामाजिक व महिला संगठनों से जुड़कर सेवा कार्य कर रही हैं जिसमे मुख्य रूप से महिलाओं व बच्चों जुड़े संगठनों से जुड़कर उनकी शिक्षा,रोजगार,चिकित्सा जैसे अहम मुद्दों पर कार्य करती हैं। मूर्ति मीणा पूर्व वित्त मंत्री वीरेंद्र मीणा की धर्मपत्नी हैं राजनीतिक रूप से सक्रिय वर्तमान मे भाजपा मे भी प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी हैं साथ ही अखिल भारतीय मीणा समाज मे महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं।

मंगरा शनि महाराज के मंदिर प्रांगण में 12 अगस्त को अमरनाथ कावड़ यात्रा की बैठक संपन्न

संजीवनी टुडे

जाशमा। सभी धर्म प्रेमी महाभाव को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि प्रतिवर्ष के भाती इस वर्ष भी अमरनाथ कावड़ यात्रा समस्त ग्रामवासी संघ विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल व समस्त गो भक्त द्वारा विशाल एवं भव्य कावड़ यात्रा आगामी 12 अगस्त सोमवार को निकल जाएगी प्रतिवर्ष के भाती इस वर्ष भी मेवाड़ के हरिद्वार मातृकुंडिया मैं स्थित श्री मंगलेश्वर महादेव का जल अभिषेक व पूजा अर्चना कर दिनांक 12 अगस्त सोमवार को मंगलेश्वर महादेव मातृकुंडिया से तीन डीजे के साथ रवाना होगी रवाना होगी जो जाशमा मंगरा शनि महाराज के मंदिर पर पहुंचकर भगवान शनि देव भोलेनाथ और ओगड़ बावजी का जल अभिषेक किया जाएगा।

चोरी का खुलासा नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद

संजीवनी टुडे

केदारिया। पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मोग का खेड़ा के रसोई घर में गत रात्रि रसोई घर के चद्दर काट कर चोर एक गैस टंकी व दो कुकर तथा मिड डे मिल की राशन सामग्री को चुरा ले गये इसी विद्यालय में पहले भी दो बार चोरी हो चुकी है विद्यालय के प्रधानाध्यापक व ग्रामीणों द्वारा चोरी की सूचना पुलिस थाना भिंडर को देकर चोरों के खिलाफ जाँच व कार्रवाई की मांग की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की!

ग्राम पंचायत फालना गांव में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

संजीवनी टुडे

बाली,पाली। बाली उपखंड की ग्राम पंचायत फालना गांव में जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित जनसुनवाई अधिकारी व ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी हितेंद्र बागोरिया सरपंच करण सिंह राजपुरोहित, चिकित्सा ब्लॉक सुपरवाइजर अजहरुद्दीन, को ग्रामीणों ने लिखित शिकायत देकर बताया लोड सेटिंग के नाम पर अघोषित बिजली कटौती बंद करने, इंदिरा कॉलोनी में थ्री फ़ेज का उच्च क्षमता वाला ट्रांसफार्मर लगाने,पशु उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन निर्माण करने , उप स्वास्थ्य केंद्र पर कक्ष का निर्माण करने की मांग की गई । इस दौरान पटवारी भोलाराम, सीएचए मनीष पालीवाल. कनिष्ठ सहायक राजेश्वरी कवर, एएनएम नसीम बानो, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तारा सोनी, दक्षद्ध कंवर राजपुरोहित आशा सहयोगिनी चंदा अवस्थी हीरू मेघवाल कर्मचारी मगाराम चौधरी ग्रामीण गोरधन सिंह सोलंकी, मांगीलाल डांगी, जय किशन सहित ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित थे।

रोडवेज की बंद बसे पुन सुचारु रूप से शुरू

संजीवनी टुडे

फालना,पाली। बाली विधायक पुष्पेंद्र सिह राणावत बाली के प्रयासो से फालना आगार मे कई समय से बंद बसे सुचारु होकर संचालित किये जाने पर प्रबंधक निदेशक मुख्यालय जयपुर के निर्देशो से फालना मुख्य प्रबंधक के.पी.सिह ने बताया की आज दिनांक 1 अगस्त 2024 को फालना देसुरी विरात्रामाता एव फालना से मंदसोर बसे शुरु कि गई हे जिसे फालना मुख्य प्रबंधक के.पी. सिह ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया ओर बताया कि निगम मुख्यालय जयपुर से बसे ओर कर्मचारीयो कि पुर्ती होते ही फालना आगार मे बंद हुई सारी बसे पुनः संचालित कि जाऐगी जिससे आमजन को यात्रा की सुविधा मिलेगी इस अवसर पर व्यापार संघ के अध्यक्ष श्याम सिंह जोधा समाज सेवी अमित मेहता,जगदीश सोनी,शिव प्रकाश तिवारी,फ़ारूक़ मोहम्मद करणी सेना प्रभारी प्रहलाद सिह खीची ,फालना आगार से प्र.वित जगदीशचंद्र विश्नोई, जसवंत सिह देवडा प्रदेश मन्त्री सेवानिवृत्त बीएमएस फालना आगार बीएमएस अध्यक्ष भवानी सिह खीची एव कर्मचारी लियाकत खान ,छोटु सिह,बाल किशन, वीर बहादुर सिह आदि लोग उपस्थित रहे।

फोरलेन सडक सीमा व कृषि भूमि में धडल्ले से हो रहा है अवैध निर्माण, जिम्मेदार मौन

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। स्थानीय अजारी फाटक से लेकर परलाई सीमा में फोरलेन सडक सीमा व कृशि भूमि में बिना सक्षम अधिकारी के वाणिज्य निर्माण हो रहे है, लेकिन इन निर्माणो को रोकने व राजस्व वसूल करने की जिम्मेदार है वो मौन है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फोरलेन सडक सीमा में होटल के लिए 245 फीट दुरी निर्धारित है, तो वाणिज्य दुकानो के लिए 132 फीट निर्धारित है, लेकिन अजारी फाटक से लेकर परलाई सीमा तक नियमों के विरूध वाणिज्य दुकानों व होटलो का निर्माण हो रहा है, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण विभाग व नगरपालिका प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे न केवल राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि सडक सीमा में अवैध अतिक्रमण भी जोरो से हो रहा है। दुधेश्वर मंदिर के पास करीब 3 बीद्या भूमि में कृषि भूमि पर नियमों के विरूध अवैध निर्माण कार्य गत कई महीनों से जारी है, जिसके विरूध राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 177 के अन्तर्गत कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित है। लेकिन विशेष

सुत्रों के अनुसार इस अवैध निर्माण की जानकारी स्थानीय प्रशासन को होने के बाद भी न तो रोका जा रहा है और न ही राजस्व वसूल किया जा रहा है। जबकि इसके विरूध राजस्व विभाग नियमानुसार कार्यवाही करने पर उक्त भूमि बिलानाम घोषित हो सकती है। जबकि इससे पूर्व में उपखण्ड अधिकारी से अजारी फाटक के आस-पास में कमलेश कुमार पुत्र मगनलाल माली निवासी कोजरा, सावित्री देवी पत्नि मोडीराम रावल निवासी अजारी, ताराराम, लुम्बाराम, लीलाराम पिता गणेशराम, लक्ष्मीबाई पत्नि समरथाराम, महेन्द्र कुमार,शुम्भूराम पिता समरथाराम रावल निवासी दानावा, हरीराम, प्रकाश कुमार,अशोक कुमार पिता हिम्मतराम, वालाराम पिता नताजी रावल निवासी पिण्डवाडा, फुलादेवी पत्नि डासुराम जाति रावल निवासी पिण्डवाडा, जयंतिलाल वल्द किशनलाल प्रजापत निवासी जनापुर सहित अन्य लोंगों के विरूध न्यायालय सहायक कलक्टर-पिण्डवाडा द्वारा राजस्थान काश्तकार अधिनियम 1955 कीधारा 177 के तहत 6 फरवरी 2023 को राजस्व रेकर्ड जमाबंदी में बिलानाम सरकार के खाते में दर्ज करने का निर्णय दे चुके है। इसके बाद भी आदेश की धरातल पर कार्रवाही नहीं होने से अवैध निर्माण कार्य व अतिक्रमण करने का कार्य निरन्तरण जारी है।

इनका कहना है कि

कृषि भूमि पर अवैध निर्माण को लेकर मौका फर्द तैयार कर इनके विरूध नियमानुसार कार्रवाही के लिए तहसीलदार को रिपोर्ट सुर्पद कर दी है। राजस्व विभाग की कार्रवाही जारी है।

मदन कुमार पटवारी

अवैध निर्माणों को लेकर सूचना मिली है, इनके विरूध पालिका नियमों के तहत कार्रवाही के लिए उच्चधिकारीयों को लिखा जायेंगा।

प्रभात चंदेल

अतिक्रमण शाखा-नगरपालिका पिण्डवाडा

चित्तौड़गढ़ पुलिस की बड़ी कार्यवाही, मध्यप्रदेश की अन्तर्राज्यीय पारदी गैंग के चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोषी द्वारा जिले में हुई नकबजनी व चोरियों के विरूद्ध कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिले के समस्त पुलिस अधिकारीयों को निर्देषित किया गया। इसी क्रम में श्री परबतसिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय चित्तौडगढ एवं श्री अनिल सारण पुलिस उप अधीक्षक वृत कपासन जिला चित्तौड़गढ़ के सुपरविजन में श्री रतन सिंह पुलिस निरिक्षक थानाधिकारी थाना कपासन व साईबर सैल टीम की संयुक्त टीम गठीत की गई। दिनांक 20.07.2024 को प्रार्थी श्री महेन्द्र पिता प्रेमाराम सोलंकी निवासी श्रीनाथ कॉलोनी भुवाना जिला उदयपुर हाल अपर जिला एवं सेषन न्यायाधीश कपासन ने एक लिखित रिपोर्ट दी, कि मैं अपने सरकारी आवास जो कि न्यायालय के पास स्थित है, जिसमें निवासरत हुं था घर के अन्दर के कमरों के ताले टुटे हुए है आलमारीयों में रखे सोने के आभुषण जिसमें मेरी पत्नी के कान के टॉप्स 04 तोला वजनी, 03 सोने की चैन, सोने की 04 अंगुठी, सोने के हाथ के 03 कड़े, ब्राण्डेड कम्पनी की 10 घड़िया, चांदी का कड़ा, चांदी की पायल, चांदी के सिक्के 12, सोने का मगंलसुत्र, सोने की बालिया, सोने के लौंग, चांदी का ब्रेसलेट, चांदी की चैन व नगदी सहीत करीब 20 तोला सोने के जेवरात चोरी हो गये है।

एक छोटा सा नियम नयासार को भगवान महावीर बना सकता है: साध्वी कल्पलताश्री

संजीवनी टुडे

बाड़मेर। स्थानीय श्री जिनकांतिसागरसूरी आराधना भवन में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ चातुर्मास कमेटी द्वारा चल रहा अनुभवानंदी वर्षावास प्रवचनमाला की श्रृखंला मे गुरूवार को साध्वी कल्पलता श्रीजी म.सा. ने कहा की धर्म बिन्दु ग्रंथ मे हरिभद्र सूरि के दृष्टांत मे आता है एक छोटा सा नियम नयासार को भगवान महावीर बना सकता है,नयासार का नियम था किसी अतिथि को भोजन कराये बीन भोजन नही करना। तो समझो नियम का फल क्या होता है एक महान घमंडी पंडित हरिभद्र जी का नियम था किसी श्लोक का अर्थ नही आया तो भोजन नही करूंगा, अर्थ बताने वाले को अपना गुरू बना लूंगा। साध्वी श्री शीलांजना श्रीजी म.सा. ने कहा दिल के पकोडे चल उठे, सिने के दाग से। घर को आग लग गयी घर के चिराग से ।। पहले संस्कार नही होगे तो तत्वज्ञान का महत्व समझना कठिन है। भूमि उपजाऊ नही होगी तो खेती कैसे होगी, परिवार मे संस्कार नही होगे, व्यवहारिक ज्ञान नही होगा तो तत्वज्ञान कहा से

आएगा। सबसे पहला संस्कार होता है गर्भ संस्कार, आज गर्भ संस्कार की जगह कितनी गंदी रिती रिवाजो ने ले ली है क्या क्या हो रहा फिर उनको स्टेटस व फ़ेसबुक मे भी अपलोड कर रहे हो फोटो विडिओ शुट। गर्भ के समय गर्भवास मे कितना ध्यान रखना जरूरी है गर्भवास मे माता सोएगी तो बच्चा आलसी होगा, दुसरा होता है ग्रीह संस्कार उसमे सभी डाक्टर, इंजीनियर, वकील बनाना चाहते है अपनी ओलाद को पारिवारिक ज्ञान न के बराबर देने का परिणाम पैसा तो इकट्ठा कर लेगा परिवार से प्रेम, प्यार, सेवा से दुरी बना देखा। आगे जाने अगले प्रवचन मे। चातुर्मास कमेटी सचिव बाबुलाल बोथरा हेमरत्न व मिडिया प्रभारी अशोक भूणिया ने बताया की कल सात दिन के सभी तपस्यिओ का संघ द्वारा बहुमान किया जाएगा व नेमीनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारी जोरो पर चल रही है। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रातः में भक्ताम्बर पाठ, प्रातः व सांयकालीन प्रतिकमण व तपस्याएं निरंतर चालू है।

राजधानी में हुई तेज बारिश के चलते ढूंढ नदी में पानी का आवक अचानक बड़ा

संजीवनी टुडे

चाकसू । यहां गुरुवार को आकोड़िया, छादेल कला पुलिया, गरुड़वासी रोड में ढूंढ नदी पर बनी पुलिया से करीब 1 फीट ऊपर पानी बहाव आने से सड़क का आवागमन बाधित हुआ है और वही सड़क पर से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को बडी परेशानी का सामना करना पडा है । और कई दोपहिया वाहन चालकों को पैदल चलकर पुलिया पार करनी पडी है। और स्थानीय लोगों के अनुसार तेज बहाव के चलते पुलिया के नीचे लगे पाइपों से पानी का ऑवरफ्लो होने से पुलिया से ऊपर होकर पानी निकलने लगा था। पुलिया के ऊपर से गुजर रहे पानी के तेज बहाव से हादसे का भी डर बना हुआ है। अक्सर बारिश के दिनों में ढूंढ नदी में पानी की आवक बढ़ने से पुलिया के ऊपर से पानी से निकलने लगता है। जिसके चलते सड़क पर फिसलन भी हो जाती है। पुलिया के पास किसी तरह का चेतावनी बोर्ड नहीं होने से सड़क से गुजरने वाले अनजान

वाहन चालकों को बडी परेशानी का भी सामना करना पड़ता है। हादसा होने का भी डर बना रहता है।

सड़क टूटी

आकोड़िया ढूँढ नदी पर पानी के तेज बहाव से सड़क पर कटाव लग गया । इस दौरान ग्राम पंचायत आकोड़िया सरपंच अर्जुन लाल मीणा, कोटखावदा तहसीलदार अनिता कुमारी मौके पर पहुंच कर क्षतिग्रस्त सड़क का जायजा लिया ग्रामीणों को तेज वहाव क्षेत्र में नहीं जाने के लिए पाबंद किया गया है। मोबाइल में सेल्फी लेने वाले का भी लगा तांता अपनी जान को जोखी में डालकर नदी के किनारे आने जाने वाले लोगों में सेल्फी लेने के लिए होड़ मच गई और नदी के किनारे खड़े होकर सोशल मीडिया पर फोटो ,वीडियो वायरल करते हुए सेल्फीपिया ले रहे थे ।

जीत के बाद सरबजोत ने इंडिया हाउस में चखे गोलगप्पे और डोसा

संजीवनी टुडे

पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीत के बाद 'इंडिया हाउस' में गोलगप्पे, भेल और डोसा का आनंद लिया। सिंह और मनु भाकर ने दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ जीत के तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी ने पदक विजेताओं का स्वागत किया, तो वहीं खिलाड़ियों ने 'इंडिया हाउस' में घर का खाना पाकर अपनी खुशी जाहिर की। रिलायंस फाउंडेशन ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए 'इंडिया हाउस' बनाया है, जो भारतीय वास्तुकला और व्यंजनों को प्रदर्शित करता है। खाने के बाद खिलाड़ियों ने फिल्म 'आरआरआर' के 'नाटू-नाटू' गीत पर भी डांस किया। 'इंडिया हाउस' ने खिलाड़ियों को घर जैसा माहौल और भारतीय संस्कृति का अनुभव कराया। यहां सुबह के योग सत्र और बॉलीवुड डांस की क्लासेस स्थानीय लोगों में काफी लोकप्रिय हैं।

भूपाल सागर क्षेत्र के विद्यालयों का विजिट स्काउट सचिव ने किया

संजीवनी टुडे

जाशमा। राजस्थान राज्य भारत स्काउट मुख्यालय चित्तौड़गढ़ के निर्देशानुसार संघ स्थानीय भूपाल सागर के स्काउट सचिव दिनेश चंद्र धोबी ने विभिन्न विद्यालय का ग्रुप का विजिट किया गया जिसमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय कानाखेड़ा ,राजकीय माध्यमिक विद्यालय उसरोल ,राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फलासिया इन विद्यालयों का विजिट किया गया ,इस दौरान ग्रुप मान्यता स्काउट नियुक्ति पत्र प्रवेश में राष्ट्रपति स्काउट की जानकारियां दी गई ,ग्रुप अभिलेख , समाज सेवा एवं विद्यार्थियों को स्काउट गाइड की गतिविधियां की जानकारी दी गई ,ग्रुप में विजिट राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ी में विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों के साथ प्रांगण में पौधारोपण किया गया एवं छायादार पौधे लगाए उपस्थित स्काउट पूर्व सचिव पृथ्वीराज जाट की उपस्थित थे।

लाइनों में लगे मरीज, 50 ऑपरेशन टालने पड़े

6 अस्पतालों के रेजिडेंट्स की हड़ताल जारी, आउटडोर में रोजाना 1300 मरीज आ रहे

संजीवनी टुडे

उदयपुर।आरएनटी मेडिकल कॉलेज से जुड़े 6 हॉस्पिटल के सभी 631 रेजिडेंट डॉक्टर की हड़ताल दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी है। हॉस्पिटल के वार्डों में भर्ती मरीजों से लेकर आउटडोर में दिखाने आने वाले मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है। आउटडोर में ढाई से तीन घंटे तक मरीजों को लाइन में लगकर इंतजार करना पड़ रहा है। आउटडोर में विभिन्न विभागों में रोज करीब 1200 से 1300 मरीज दिखाने आते हैं जहां सीनियर डॉक्टर के साथ दो से तीन रेजीडेंट डॉक्टर मरीजों को देखते हैं लेकिन अब एक चैम्बर में एक सीनियर डॉक्टर के भरोसे मरीज हैं। इधर, करीब 50 से ज्यादा प्लांड ऑपरेशन टाले जा चुके हैं। समस्या बढ़ते देख चिकित्सा विभाग ने 25 डॉक्टरों को भेजने की बजाय 8 डॉक्टर ही मुहैया कराए हैं। सीनियर डॉक्टर ओपी मीणा ने बताया कि रेजीडेंट की हड़ताल के चलते सभी सीनियर डॉक्टर ने 24 घंटे राउंड द क्लॉक मोर्चा संभाला हुआ है। पूरी

व्यवस्था को संभाले हुए हैं। अंतिम मरीज को देखकर ही चैम्बर से खड़े हो रहे हैं। वार्डों में भर्ती मरीजों को भी पूरा इलाज देने का प्रयास कर रहे हैं। एमबी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ आरएल सुमन ने बताया कि आउटडोर, ईमरजेंसी और आईसीयू में मरीजों का इलाज प्रभावित नहीं होने दे रहे। आज या कल में रेजीडेंट्स डॉक्टर्स को बाकी रहा वेतन मिल जाएगा। जब तक हम कोशिश कर रहे हैं कि किसी तरह की मरीजों को दिक्कत नहीं हो। रेजिडेंट यूनियन की स्टाइपेंड, वेतन और एचआरए आदि मांगों को लेकर हड़ताल जारी है। इसको लेकर रेजिडेंट्स ने गुरुवार को वापस बैठक की। जिसमें ये निर्णय लिया कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी। वे हड़ताल वापस नहीं लेंगे। रेजिडेंट यूनियन सचिव जतिन प्रजापति ने बताया कि हमसे अभी तक सरकार और ना ही आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने वार्ता नहीं की है।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र में क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का आयोजन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक गुरुवार को उदयपुर में आरबीआई के उप महाप्रबंधक विकास अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। दक्षिणी क्षेत्र में भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूंबर, सिरोही और चित्तौड़गढ़ जिले शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक अग्रवाल ने प्रत्येक जिले की क्षमता के अनुसार ऋण के कुशल आवंटन और जमा जुटाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी बैंकों को जिला प्रशासन, आरबीआई, लीड बैंक कार्यालय और अन्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय में काम करने की सलाह दी ताकि लीड बैंक योजना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। आरबीआई के एजीएम दिनेश यादव ने सदन को जमा जुटाने, ऋण वितरण, जमा पैठ से ऋण से संबंधित महत्वपूर्ण मापदंडों के तहत जिले के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उन जिलों को उजागर किया जो महत्व मापदंडों में पिछड़ रहे थे और जिलों के क्षेत्रीय प्रबंधकों को जिलों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लीड बैंक कार्यालयों के साथ समन्वय में काम करने की सलाह दी।

उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वयं सहायता समूहों को ऋण आवंटन के महत्व पर भी जोर दिया। उप महाप्रबंधक अग्रवाल ने भारत सरकार द्वारा स्थापित आरसेटी में गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के महत्व पर जोर दिया जो बाजार की मांग के अनुरूप हैं। उन्होंने वित्तीय साक्षरता के माध्यम से वित्तीय समावेशन को प्राप्त करने के महत्व पर भी जोर दिया। सभी बैंकर्स को सलाह दी गई कि वे आरबीआई द्वारा अपने 90वें स्थापना वर्ष में आयोजित की जा रही वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी में कॉलेज के छात्रों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के अधिकारी, मुख्य बैंकों के क्षेत्रीय प्रमुख, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और लघु वित्त बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ-साथ राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र के नौ जिलों के अग्रणी जिला प्रबंधकों एवं आरसेटी निदेशकों ने भाग लिया। बैठक में अग्रणी बैंक योजना के विभिन्न पहलुओं जैसे वार्षिक ऋण योजना की उपलब्धि की स्थिति, बैंकों का ऋण-जमा अनुपात, वित्तीय समावेशन, अग्रणी बैंक योजना के तहत आरबीआई द्वारा निर्धारित अधिदेशों को प्राप्त करने में प्रमुख बैंकों का प्रदर्शन आदि पर चर्चा की गई। सभी बैंकों ने सर्वसम्मति से राजस्थान के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अग्रणी बैंक योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

आरएनए प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी का किया अभिनंदन

संजीवनी टुडे

वल्लभनगर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी एवं राजस्थान नर्सिंग काउंसिल के पूर्व रजिस्ट्रार एवम प्रदेश संयोजक शशिकांत शर्मा दो दिवसीय मेवाड़ दौरे पर रहे। जिसके तहत राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन उदयपुर ग्रामीण जिलाअध्यक्ष कुंदन लाल मेनारिया के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी सहित पूरी टीम से भेंट कर उनका मेवाड़ी पगड़ी एवं उपरना से अभिनंदन किया गया । नर्सेज एसोसिएशन के जिला मीडिया प्रभारी संजय मेघवाल ने बताया की प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी ने वर्तमान परिस्थितियों में प्रदेशभर नर्सेज की समस्याओं पर चर्चा की । 27 वर्षीय राजकीय सेवाकाल पूरा होने पर प्रदेश के नर्सेज का आर्थिक नुकसान , नर्सिंग एवं पैरामेडिकल भर्ती 2023 में हो रही देरी को लेकर के भी प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व रजिस्ट्रार शशिकांत शर्मा को अवगत कराया जिस पर जल्द ही वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करवा कर अंतिम सूची जारी करवाने के लिए राज्य सरकार को अगवत कराने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, कोषाध्यक्ष चंचल चौधरी, जिला सचिव महेश लोहार , जिला खेल मंत्री प्रवीण लोहार, ब्लॉक सचिव राहुल चौहान सहीत संगठन पदाधिकारी उपस्थित थे।

डूंगरपुर एवं उदयपुर के पशुपालकों ने जाना हरे चारे को संरक्षित करने की विधियां

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजकीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित त्रिदिवसीय आवासीय पशुपालक प्रशिक्षण कार्यक्रम में डूंगरपुर एवं उदयपुर के पशुपालकों ने वर्षा के मौसम में उनके पास उपलब्ध अतिरिक्त हरे चारे को वर्ष पर्यन्त काम मे लेने की दृष्टि से उसे संरक्षित करने की अनेक विधियों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सूर्य प्रकाश त्रिवेदी ने पशुपालको से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को अपने तक ही सीमित न रख कर अन्य पशुपालकों को भी जानकारियां देकर लाभान्वित करें। संस्थान के उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि पशुपालकों के क्षेत्र में व्याप्त नवीनतम तकनीकों को अपनाने से ही हम इस व्यवसाय से समुचित आय अर्जित कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते है। डॉ. सुरेश शर्मा ने पशुपालकों को उपलब्ध कराई गई औषधि कीट की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि समुचित उत्पादन प्राप्त करने के लिए अन्तः एवं बाह्य कृमि औषधियों का समय समय पर उपयोग करते रहना चाहिए। डॉ. पदमा मील ने पशुओं को उपलब्ध कराई जाने वाले आहार की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। पशुपालकों को डॉ. विजय माने, डॉ. प्रफुल्ल माथुर, पन्नालाल शर्मा, डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी, डॉ. पदमा मील एवं डॉ. सुरेश शर्मा ने प्रशिक्षण की विशेष जानकारियां दी।

खबरें फटाफट

समीक्षा बैठक 7 अगस्त को

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के काफी अधिक संख्या मे आवेदन सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के शिक्षण संस्थानों एवं छात्रों के स्तर पर लंबित है। इसके लिए संस्थावार समीक्षा के लिए बैठक 7 अगस्त को प्रातः 11 बजे जिला मुख्यालय डॉ. भीमराव अंबेडकर बालक छात्रावास, डूंगरपुर निकट सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग डूंगरपुर-जीवन ज्योति, सुभाष नगर में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अशोक शर्मा ने दी।

3 को विशेष क्लस्टर कैम्प आयोजित करने के निर्देश

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद डूंगरपुर के निर्देशानुसार राजकीय अम्बेडकर, सावित्री बाई फुले कन्या छात्रावासों में 3 अगस्त को 17 एवं 18 वर्ष की आयु वर्ग के मतदाताओं का ईएलसी (स्कूल, कॉलेज) विशेष क्लस्टर कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अशोक शर्मा ने दी।

प्रमुख शासन सचिव की वीसी 6 अगस्त को

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजस्व विभाग राजस्थान जयपुर के प्रमुख शासन सचिव 6 अगस्त को प्रातः 11 बजे समस्त जिला कलक्टर और जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक लेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर कुलराज मीणा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को वीसी में निर्धारित तिथि एवं समय पर समस्त सूचनाओं के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

न्यायाधिपति बिरेन्द्र कुमार के दौरे को लेकर प्रोटोकॉल के निर्देश

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के न्यायाधिपति श्री बिरेन्द्र कुमार 3 अगस्त को उदयपुर से बांसवाड़ा जाएंगे एवं 5 अगस्त को बांसवाड़ा से उदयपुर वापस जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर कुलराज मीणा ने न्यायाधिपति श्री बिरेन्द्र कुमार के दौरे के मद्देनजर उपखण्ड अधिकारी आसपुर, साबला को अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय स्थापित करते हुए न्यायाधिपति के आगमन से प्रस्थान तक प्रोटोकॉल का कार्य सम्पादित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक, डूंगरपुर नियमानुसार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

10 साल फरार 6 आरोपी गिरफ्तारः वारंट में चल रहे थे फरार, पानरवा थाना क्षेत्र का मामला

संजीवनी टुडे

उदयपुर।उदयपुर जिले के पानरवा थाना पुलिस ने 10 साल से फरार चल रहे वांरटियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अंकित कुमार सामरिया ने बताया कि आरोपी कांतिलाल पिता बसु निवासी डैया, मुकेश पिता बसु भगोरा, बसु पिता लाला, सुकेश पिता बसु, राम पिता लाला और अरविंद पिता बसु निवासी डैया को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि आईपीसी की धारा 147, 149, 323 और 341 में दर्ज मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी 10 साल से फरार थे। जिन्हें पकड़ने के लिए एएसपी ग्रामीण गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और डिप्टी राजेन्द्र के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर फरार आरोपियों को तलाश करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

बिजली दर बढ़ाने को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शनः बड़गांव एसडीएम कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर जताया विरोध

संजीवनी टुडे

उदयपुर। शहर के बड़गांव उपखंड मुख्यालय पर कांग्रेस ने धरना देकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस जनों ने बिजली की दरें बढ़ाने को लेकर अपना रोष जताते हुए कहा कि जनता की कमर तोड़ी जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार बिजली की दरें बढ़ाकर जनता पर भार डाल रही है जो ठीक नहीं है। पूर्व जिला परिषद सदस्य विद्या शर्मा ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब सिंह राव के नेतृत्व में धरना देकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया गया। डॉ. गरासिया ने कहा कि एक तरफ तो पूर्व सरकार ने जनता को 100 यूनिट माफ कर राहत दी। ये सरकार अब बिजली की कीमतें ही बढ़ाकर जनता पर भारी बोझ डालने जा रही है जो सरासर गलत है। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ. मांगी लाल गरासिया, पूर्व जिला परिसद सदस्य केशुलाल पालीवाल, देहात कांग्रेस कमेटी के सचिव मोतीलाल सुथार, इन्टक जिलाध्यक्ष हरि सिंह खरवड़, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जमना लाल शर्मा, एस.टी. प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोगर गमेती, प.स. सदस्य भुवनेश व्यास, बड़गांव सरपंच संजय शर्मा, पूर्व सरपंच माणा गमेती, तुलसी राम गमेती, पुर्व उप सरपंच विनोद वावला आदि मौजूद थे।

लोमड़ी - जंगली बिल्ली और चिंकारा देकर लिए शेरः लॉयन 'सम्राट और सुनयना' पिंजरे में कर रहे चहलकदमी

संजीवनी टुडे

सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाने पर दिया खाना

उदयपुर।वन विभाग एक्सचेंज प्रोगाम के तहत एशियाटिक लॉयन (शेर) के जोड़े को बुधवार रात उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया। ये लॉयन जोड़े गुजरात के जूनागढ़ स्थित शकरबाग चिड़ियाघर से लाए गए है। यहां आने पर दोनों को खाना दिया गया। नर लॉयन का लोमड़ी - जंगली बिल्ली और चिंकारा देकर लिए शेरः लॉयन 'सम्राट और सुनयना' पिंजरे में कर रहे चहलकदमी, सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाने पर दिया खाना गया।नर लॉयन का नाम सम्राट और मादा का नाम सुनयना है। डीएफओ डीके तिवारी ने बताया- इस जोड़े को करीब 21 दिन तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। सम्राट 3 साल 7 साल महीने का और सुनयना 3 साल की है। दोनों को आने वाले समय में सज्जनगढ़ में बनने वाली लॉयन सफारी में भी देखा जाएगा। वन विभाग, उदयपुर की टीम करीब 573 किलोमीटर का सफर पूरा कर बुधवार रात करीब सवा 12 बजे बाद सज्जनगढ़ बायो पार्क पहुंचे। ये दोनों शंकरबाघ में ही जन्मे है। दोनों का लाने में वन विभाग की टीम ने करीब 15 घंटे का सफर पूरा किया और गाड़ी की स्पीड भी 50 किमी प्रति घंटा से ऊपर नहीं जाने दी। रास्ते में साथ चल रहे डॉक्टर ने समय-समय पर दोनों को चेक किया। इनके साथ सहायक वन संरक्षक गणेशलाल गोठवाल, वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. हिमांशु व्यास, डॉ. करमेंद्र प्रताप, क्षेत्रीय वन अधिकारी गजेंद्र सिंह, केयरटेकर मानाराम, वाहन चालक सुरेश कुमार और शैलेंद्र सिंह शामिल थे। एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत लाए शेर लॉयन जोड़े को एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत शकरबाग चिड़ियाघर से यहां लाया गया है, जिसकी स्वीकृति एड्डइ ने फरवरी महीने में दी थी। इस जोड़े के बदले में सज्जनगढ़ बायो पार्क से लोमड़ी के दो जोड़े,

हायना का एक जोड़ा, जैकाल के दो जोड़े, जंगली बिल्ली का जोड़ा और दो चिंकारा दिए गए थे। डीएफओ ने बताया- दोनों ही जानवरों को अलग-अलग रखा गया है और उन पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। दोनों बीमारी से तो ग्रसित नहीं है, इसे लेकर भी निगरानी रखी जा रही है। हालांकि शकरबाग से दोनों के ब्लड की जांच कर डॉक्टर ने हेल्थ सर्टिफिकेट दिया है। सज्जनगढ़ बायो पार्क लाने पर दिया खाना नर लायन सम्राट को जिस कैज में रखा गया है उसमें तीन पार्ट है वहीं मादा के कैज में दो पार्ट है। इनमें ये आराम से घूम रहे है। पशु चिकित्सक डॉ. हिमांशु व्यास ने बताया- दोनों को यहां आने के बाद खाना दिया गया जिसमें चिकन और बिफ दोनों दिया गया है। नई जगह है और थकान भी है इसलिए दो से तीन दिन में स्टेबल हो जाएंगे। 21 दिन के क्वरटिंन के दौरान वहां इंसानों का दखल नहीं होगा। डॉक्टर ने बताया कि दोनों लॉयन मैच्यूरिटी की दहलीज पर है। दोनों को लॉयन सफारी के लिए लाया गया सज्जनगढ़ बायो पार्क में अक्टूबर महीने से लॉयन सफारी शुरू होने की संभावना है। सम्राट और सुनयना को सफारी के लिए ही यहां लाया गया है। एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत और लॉयन भी सफारी के लिए लाए जाएंगे। उदयपुर के सज्जनगढ़ बायो पार्क में अभी 6 शेर हैं। इनमें दो एशियाटिक और 4 हाइब्रिड हैं। इनमें 3 नर व तीन ही मादा हैं। पार्क में चीतल, टाइगर, सांभर, तेंदुआ, भालू, घड़ियाल, मगमच्छ सहित 23 प्रकार के जीव मौजूद हैं। इनकी संख्या करीब 185 है। यहां हाईब्रीड शेर सारा, अली, याना व रुद्र के साथ ही एशियाटिक शेर श्याम और महक शामिल हैं। वन विभाग सज्जनगढ़ में 3.45 करोड़ की लागत से लॉयन सफारी बनवा रहा है। इसी में 26 हेक्टेयर का एनक्लोजर होगा। यहीं सभी 8 शेर-शेरनियों को रखा जाएगा। दर्शकों के लिए डिस्प्ले एरिया भी रहेगा।

क्या है एक्सचेंज प्रोग्राम ?

किसी भी जंतुआलय या बायोलोजिकल पार्क में किसी दूसरे जू या बायो पार्क से किसी भी वन्यजीव को लाने के लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है उसको एक्सचेंज प्रोग्राम नाम दिया गया है। इसके तहत वन विभाग एक प्रस्ताव बनाकर केंद्रीय जंतुआलय प्राधिकरण (एड्डइ) को भेजता है।इसमें यह बताया जाता है कि जहां वन्यजीव लाया जा रहा है वहां से वे सामने वाले जू को क्या दे रहे है। इसके बाद एड्डइ की और से स्वीकृति जारी होती है तो यह प्रक्रिया आगे बढ़ती है। स्वीकृति के बाद दो जू आपस में समन्वय कर वन्यजीव को लाने की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यहां बायो पार्क में शेर के इस जोड़े के बदले में बायो पार्क से लोमड़ी के दो जोड़े, हायना का एक जोड़ा, जैकाल के दो जोड़े, जंगली बिल्ली का जोड़ा और दो चिंकारा दिए गए थे।

उदयपुर - अहमदाबाद हाईवे पर गाड़ियों को रोका जा रहा है अवैध रूप से, टोलकर्मी अवैध तरीके से कर रहे हैं भारी वालों को डाइवर्ट, प्रशासन बेखबर

संजीवनी टुडे

सलुम्बर। उदयपुर - अहमदाबाद हाईवे पर काया के समीप स्थित बाईपास पर टोल प्लाजा की एक टीम अवैध रूप से भारी वाहनों को डायवर्ट कर रही है।कुछ दिनों से लगातार यह टीम बाईपास पर खड़ी रहकर हाथों में लकड़ी के डंडे लेकर वाहन चालकों को उदयपुर शहरी क्षेत्र से न जाने के लिए डरा रही है।इतना ही नहीं शहर में घूमने आ रहे पर्यटक और अन्य वाहनों को भी शहर में न जाने के लिए मजबूर करने मैं लगी हुई है।इस बारे में जब वहा मौजूद टोलकर्मियों से किसी भी प्रकार की स्वीकृति की बात करनी चाहिए तो उन्होंने गोवर्धन विलास पुलिस थाना का हवाला देते हुए यह काम करने की बात को स्वीकार करते हुए वहां से रवाना हो गए। आपको बता दे की इस तरीके से वाहनों को रोकना कहीं ना कहीं नियमों के विरुद्ध है।जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि हाल ही में काया बाईपास

से देबारी हाईवे पर बने नए टोल नाके की और वाहनों को डाइवर्ट कर टोल वसूलने के चक्कर में यह कार्य किया जा रहा है।जबकि कहीं भारी वाहन चालकों को शहरी क्षेत्र में आना ही बड़ा मुश्किल साबित हो रहा है।साथ में ही इसके चलते कहीं पर्यटक अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए गुम राह हो रहे हैं।वही हाईवे पर लगे बेरीकेड और टोल कर्मियों के डंडे का डर कहीं बड़े हादसे को न्योता ना दे दे।

इटाली पहल केम्प में दिखा भारी उत्साह

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलक्टर जसमीत सिंह के निर्देशन में चल रहे पहल योजना कैंप ग्राम पंचायत इटाली में लोगों की भारी भीड रही। सुबह में 10 बजे ही लगभग 700-800 लोग कैंप में एकत्रित हुए और उन्होंने अपनी बारी का इंतजार करते हुए 23 योजनाओ में अपना पंजीयन कराया गया। कैंप में ही आधार और ई मित्र होने से आमजन को पंजीयन में सुलभता हुई एवं कार्मिकों द्वारा भी विभिन्न योजना से लाभान्वित किया गया। पहल कैंप प्रभारी उप निदेशक उद्यान पुरुषोतम लाल भट्ट ने बताया गया कि पहल केम्प जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में आयोजित पहल कैंप में विद्यालय के बच्चों के आधार प्रमाणीकरण की समस्या का समाधान तुरंत किया गया। लगभग 242 से ज्यादा बच्चों के आधार प्रमाणीकरण, 450 से अधिक जनाधार प्रमाणीकरण और आधार मशीन की उपलब्धता से आधार कार्ड बनाए गए और इसके अलावा 13 बिजली कनेक्शन स्वीकृत किए गए। 250 बैंक खाता,850 जीवन सुरक्षा बीमा योजना,10 जीवन

ज्योति बीमा योजना,58 किसानों के कृषि आवेदन,48 विश्वकर्मा योजना,120 ई श्रम कार्ड,49 जन्म प्रमाण पत्र,10 मृत्यु प्रमाण पत्र,9 विवाह पंजीयन,33 म्यूटेशन से लाभान्वित किया गया। मौके पर ही सब्जी उत्पादन किसानों का मिनिकिट और जैविक वितरण के लिए चयन किया गया। कैंप के दौरान विभिन्न विभागो के अधिकारियों ने योजनाओ की जानकारी और सरकार की योजनाओं से जागरूक किया गया। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के प्रयासो से डाक विभाग की मोबाइल आधार मशीन की उपलब्धता से आमजन प्रसन्न व उत्साह से अपना पंजीयन कराते हुए आमजन एवं जनप्रतिनिधियो ने जिला कलक्टर को धन्यवाद दिया। इस दौरान कैंप सहायक प्रभारी एवं अतिरिक्त विकास अधिकारी रिपुदम्न सिंह, पुंजालाल, रामलाल गाडरी, तहसीलदार सेमारी डुंगरलाल प्रजापत, ग्राम विकास अधिकारी धींरेन मीणा, ईटाली सरपंच नारायण, मानी देवी, डाक विभाग पंकज चौहान सहित लाभार्थी उपस्थित रहे।

एडिप योजना के तहत दिव्यांजन परीक्षण शिविर 2 सितंबर से 7 सितंबर को जिले के सभी ब्लॉक में आयोजित किए जाएंगे

संजीवनी टुडे

सलूंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सलूंबर द्वारा जिले के दिव्यांजनों से एडिप योजना के तहत परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हेमन्त खटीक ने बताया कि दिव्यांगजन एडिप योजना का लाभ लेने के लिये दिव्यांजन जिनको शारीरिक अक्षमता की पूर्ति के लिये उपकरण की आवश्यकता है तथा जिन्हे पिछले तीन साल तक किसी भी प्रकार के उपकरण का लाभ विभाग द्वारा नही मिला है, वे सभी दिव्यांजन 2 सितंबर से 7 सितंबर तक जिले के विभिन्न ब्लॉक में लगने वाले शिविर में अपना परीक्षण करा कर पंजीयन करा सकेंगे। दिव्यांगजनों को पंजीकरण के लिये आवश्यक दस्तावेज सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हेमन्त खटीक ने बताया कि दिव्यांगजन पंजीकरण के लिये भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। पहचान प्रमाण पत्र1 आधार कार्ड द्य दिव्यांग प्रमाण पत्र 1यूडीआईडी कार्ड/ यूडीआईडी पंजीकरण संख्या। आय प्रमाण पत्र 1सभी स्त्रोतों से मासिक आय 22500 प्रति माह से कम हो वह राजस्व विभाग, एमपी, एमएलए, प्रधान द्वारा प्रदूत आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। लाभार्थी ने वर्षों के दौरान भारत सरकार/राज्य सरकार या अन्य सामाजिक योजना के अन्तर्गत किसी शासकीय/अशासकीय/अन्य संस्था से कोई उपकरण प्राप्त न किया गया है। (मोटराइजड ट्राईसाईकिल / स्मार्ट फोन को छोडकर, जिसे 5 वर्षों के दौरान प्राप्त न किया हो) लाभार्थी अपने आधार सँख्या लाभान्वित लाभार्थी' टेब पर पूर्व में प्राप्त उपकरणों का विवरण देख कर चिनहांकन के लिए आये।

हाईकोर्ट का आदेश - खदान करें चालूः जावर माइंस में 5वें दिन भी धरना जारी, 7 हजार से ज्यादा मजदूर और कर्मचारी प्रभावित

संजीवनी टुडे

सराड़ा।जयसमंद ब्लॉक के जावर माइंस में हिंदुस्तान जिंक की खान समूह क्षेत्र में 6 खदान पर बीते करीब पांच दिन से काम बंद है। स्थानीय ग्रामीणों का धरना लगातार जारी है। गुरुवार को 5वें दिन भी लोग सुबह से धरने पर बैठे हैं। माइंस में काम सुचारू रूप से चालू करने के लिए कंपनी को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। हाईकोर्ट ने कहा कि खदानों को जबरन बंद कराने को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने सरकार और प्रशासन को इस मामले को गंभीरता बरतने की बात कही, साथ ही जावर माइंस में काम शुरू कराने के आदेश दिए। चार दिन से माइंस में काम बंद उदयपुर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक और सलूंबर जिला प्रशासन को भी कोर्ट ने तुरंत कार्रवाई कर माइंस और फैक्ट्री शुरू कराने के आदेश दिए है। ग्रामीणों ने 4 दिनों से जावर माइंस में काम बंद कराकर आने-जाने का मार्ग और माइंस गेट को बंद रखा है।

कोर्ट से मिला आदेश

बंद माइंस में काम नहीं होने से 7 हजार मजदूर और कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि असामाजिक तरीके से फैक्ट्री और माइंस ऑपरेशन बंद कराने की अनुमति नहीं है। इधर, कोर्ट आदेश प्राप्ति के बाद जिला प्रशासन गुरुवार को सख्ती बरत सकता है और खनन कार्य सुचारू करवा सकता है।

उत्कृष्ट नर्सिंग सेवाओं के लिए अधिकारियों का सम्मान किया, बजरंग सेना मेवाड़ की बैठक

संजीवनी टुडे

गोविंद होंगे महानगर प्रभारी

उदयपुर। जिला गोशाला संगठन का गठन गुरुवार को हुआ। नवगठित कार्यकारिणी में श्यामलाल चौबीसा को अध्यक्ष और महामंत्री गजेंद्र औदिच्य को बनाया गया। गुलाबबाग के गांधी चौक पर उदयपुर जिले की समस्त गोशालाओं के प्रतिनिधियो ने जिला गोशाला संगठन का गठन किया। बैठक में गोशाला संगठन को लेकर चर्चा की गई जिनमें गोशालाएं जिन परिस्थितियों एवं समस्याओं से गुजर रही उनके बारे में बताया। बैठक में भंवरलाल रांका ने कहा कि सरकार समय पर अनुदान नहीं देती इसलिए सरकार को ज्ञापन दिया जाए। जल्द ही समस्या का समाधान नहीं करे तो आंदोलन के लिए तैयार रहना चाहिए। बैठक में सर्व सहमति से संरक्षक भंवरलाल रांका, सुमन बोस। उपाध्यक्ष कालूलाल मेहता व सूर्यप्रकाश को बनाया गया। उदयपुर म राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने गुरुवार को उत्कृष्ट नर्सिंग सेवाओं के लिए अधिकारियों का सम्मान किया। जिलाध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष व

कुंदन मेनारिया के नेतृत्व में जीएनटीसी के प्रधानाचार्य सुखलाल धाकड़, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर भूपेंद्र सिंह शक्तावत एवं युसुफ अली नीलगर का अभिनंदन किया। संभागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी ने की। मुख्य अतिथि आरएनटी ऐटिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ विपिन जिलाध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष व कुंदन मेनारिया के नेतृत्व में जीएनटीसी के प्रधानाचार्य सुखलाल धाकड़, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर भूपेंद्र सिंह शक्तावत एवं युसुफ अली नीलगर का अभिनंदन किया। संभागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी ने की। मुख्य अतिथि आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ विपिन माथुर, अधीक्षक आरएल सुमन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर लाल बामणिया, डॉ शशिकांत शर्मा थे। उदयपुर म बजरंग सेना मेवाड़ की बैठक गुरुवार को संभागीय कार्यालय पर हुई। प्रमुख कमलेंद्र सिंह पंवार के सानिध्य में हुई बैठक में निर्णय हुआ कि कांवड़ यात्रा से पूर्व 6 अगस्त शाम को 6 बजे गंगू कुंड आयड़ पर गंगा पूजन, भारत माता की आरती एवं इस्कॉन मंदिर द्वारा प्रस्तुति होगी। साथ ही संगठन की बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया की महानगर प्रभारी का दायित्व गोविंदसिंह चौहान एवं महामंत्री का दायित्व राजमल चौधरी को

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी की विधायकी मुश्किल में: 2 जगहों की वोटर लिस्ट में नाम होने का आरोप, हाईकोर्ट ने जारी किया समन

संजीवनी टुडे

जोधपुर। राजसमंद से भाजपा विधायक दीप्ति माहेश्वरी की विधायकी मुश्किल में आ सकती है। उनके ऊपर दो जगह वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में जोधपुर हाईकोर्ट ने माहेश्वरी समेत 12 लोगों को समन जारी कर जवाब तलब किया है। एडवोकेट जितेंद्र कुमार खटीक ने 6 महीने पहले चुनाव याचिका पेश की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ ने नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने सभी को 20 सितंबर तक जवाब पेश करने के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता एडवोकेट जितेंद्र कुमार खटीक ने चुनाव याचिका में बताया कि राजसमंद में विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान आरओ के सामने आपत्तियां उठाने के बावजूद चुनाव शून्य घोषित नहीं किया गया। याचिका में आरोप लगाया कि राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन के साथ राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया। इससे पहले जब राजसमंद में उप चुनाव हुए थे, तब दीप्ति माहेश्वरी ने उदयपुर का वोटर कार्ड नामांकन के साथ पेश किया था। एक व्यक्ति दो-दो वोटर कार्ड कैसे बनवा सकता है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए उप चुनाव में उदयपुर का वोटर कार्ड और आम चुनाव में राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया गया है, जो अपराध की श्रेणी में आता है। विधायक के चुनाव को भी शून्य घोषित किया जाना चाहिए, लेकिन चुनाव अधिकारी ने उनकी आपत्तियों को नहीं सुना। ऐसे में हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। इस पर सुनवाई के बाद राजसमंद विधायक सहित अन्य को

समन जारी किया गया। इस मामले में राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी समेत नारायण सिंह भाटी, घनश्याम मुरोदिया, मनीष पांडे, दिनेश कुमार, विनोद सोनवाल, मनोज कुमावत, जिला चुनाव अधिकारी राजसमंद, रिटर्निंग अधिकारी, उप मंडल अधिकारी, एडवोकेट हनुमान सिंह, श्रवण चौधरी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आयुक्त और वी मार्ट मॉल नाम से समन जारी हुए हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए उप चुनाव में उदयपुर का वोटर कार्ड और आम चुनाव में राजसमंद का वोटर कार्ड पेश किया गया है, जो अपराध की श्रेणी में आता है। विधायक के चुनाव को भी शून्य घोषित किया जाना चाहिए, लेकिन चुनाव अधिकारी ने उनकी आपत्तियों को नहीं सुना। ऐसे में हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। इस पर सुनवाई के बाद राजसमंद विधायक सहित अन्य को समन जारी किया गया। इस मामले में राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी समेत नारायण सिंह भाटी, घनश्याम मुरोदिया, मनीष पांडे, दिनेश कुमार, विनोद सोनवाल, मनोज कुमावत, जिला चुनाव अधिकारी राजसमंद, रिटर्निंग अधिकारी, उप मंडल अधिकारी, एडवोकेट हनुमान सिंह, श्रवण चौधरी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आयुक्त और वी मार्ट मॉल नाम से समन जारी हुए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट के अतिरिक्त महाधिवक्ता नाथू सिंह राठौड़ के अनुसार वोटर आईडी को आईडी के तौर में उपयोग किया जा सकता है, लेकिन दो जगह वोट नहीं दिया जा सकता। उन्होंने बताया कि पुराना वोटर आईडी अगर बना है तो वहां की वोटर लिस्ट से नाम हटा कर नए वोटर आईडी वाले स्थान में जोड़ा जाता है। ऐसे में वोटर एक जगह ही वोट दे सकता है। पुराने वोटर आईडी को पहचान पत्र के तौर मेंकाम लिया जा सकता है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के खिलाफ भी 2005 में इसी तरह के मामले में चुनाव याचिका दायर की गई थी। वसुंधरा राजे के खिलाफ धौलपुर और झालावाड़ दोनों जगह की वोटर लिस्ट में नाम होने के आरोप लगाते हुए याचिका दायर की गई थी, लेकिन यह मामला साबित नहीं हो पाया थाा। याचिकाकर्ता दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होने का सबूत नहीं दे पाए थे। जयपुर की बस्सी विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक रहीं अंजू धानका के खिलाफ भी दिल्ली और बस्सी की वोटर लिस्ट में अलग-अलग वर्ग में नाम होने के आरोप में याचिका दायर हुई थी। अंजू धानका पर आरोप था कि दिल्ली में उन्होंने खुद को एससी बताकर चुनाव लड़ा, जबकि बस्सी से एसटी बताया। इस याचिका पर फैसला नहीं हुआ।

इनका कहना यह है :-

यह मामला कोर्ट में चल रहा है। इसलिए इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। यह कोर्ट डिसाइड करेगा।

दीप्ति माहेश्वरी विधायक, राजसमंद

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

अगस्त महीना कई लिहाज से है महत्वपूर्ण, खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर

अगस्त का महीना आमजन के लिए जहां तमाम खुशियां लेकर आएगा, वहीं खुशियां मनाते समय किसी तरह की लापरवाही की तो चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। क्योंकि कोरोना महामारी का संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। कुछ एजेंसियां भी कह रही हैं कि उत्तर प्रदेश में अभी कोरोना का पीक आना बाकी है और यह पीक टाइम 21 अगस्त के आसपास का होगा। पहली अगस्त को बकरीद है। तीन को रक्षाबंधन, पांच को अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भूमि पूजन होना है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित तमाम नेता भी अयोध्या आएंगे और इसके बाद 11 अगस्त को जन्माष्टमी एवं 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। ऐसे में शासन-प्रशासन एवं पुलिस के सामने भी कम चुनौती नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बकरीद, रक्षाबंधन, पांच अगस्त को अयोध्या में भूमि पूजन, इसके बाद जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखते हुए जिलों में विशेष सजगता व सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

योगी ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से कहा है कि शरारती और अराजक तत्वों पर नजर रखी जाए। कोविड के प्रोटोकाल का पालन करते हुए त्योहार मनाए जाएं। बकरीद और रक्षाबंधन पर कोई सार्वजनिक आयोजन नहीं हो। लोग घरों में रह कर ही त्योहार मनाएं। अगस्त को लेकर चिंता इसलिए भी है क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने 05 अगस्त को अयोध्या में भूमि पूजन के समय आतंकवादी हमले की रिपोर्ट दी है। आतंकी हमले की साजिश के इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां अयोध्या को अभेद्य किले में बदलने में लग गई हैं। बाहरी लोगों के साथ ही स्थानीय नागरिकों को पहचान पत्र दिखाने के बाद आने-जाने की इजाजत दी जा रही है। जिला प्रशासन ने होटलों और धर्मशालाओं में बाहरी व्यक्तियों के रूकने पर पाबंदी लगा दी है। मंदिर निर्माण के भूमि पूजन पर नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले संवर रही अयोध्या में सुरक्षा की दृष्टि से खुफिया एजेंसियां और पुलिस कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है। जल, थल और नभ से सुरक्षा व्यवस्था की निगहबानी शुरू कर दी गई है। नगर में प्रवेश करने के साथ ही विभिन्न चरणों में सघन चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। परिसर के आसपास व प्रधानमंत्री के संभावित दौरे वाले स्थलों पर कई प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। सरयू नदी पर भी पुलिस की टीम तैनात कर दी गई है। खुफिया एजेंसी रॉ ने अयोध्या पर 5 अगस्त को आतंकी हमले का इनपुट दिया था। इसके बाद जिले की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्थानीय नागरिकों और बाहरी व्यक्तियों को पहचान पत्र दिखाने के बाद आने जाने की अनुमति दी जा रही है। सीमाओं को भूमि पूजन के दिन सील कर दिया जाएगा।

अलर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने आतंकी हमले की पूरी योजना तैयार की है, इसके तहत लश्कर और जैश के आतंकियों को अफगानिस्तान में भेजकर विशेष ट्रेनिंग कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार, इन आतंकवादियों को तीन से पांच आतंकवादियों के ग्रुप में अलग-अलग भारत भेजा गया है। आईएसआई ने इन आतंकियों को अलग-अलग हमला करने का फरमान सुनाया है ताकि इसे भारत का आंतरिक मामला बताया जा सके। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष रूप से अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसके अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह, उमा भारती, विनय कटियार और आरएसएस के कई नेताओं सहित कई धार्मिक शख्सियतों के भी कार्यक्रम में उपस्थित रहने की संभावना है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार वीआइपी भी आतंकी संगठनों के निशाने पर बताए गए हैं। खुफिया एजेंसियों की इस रिपोर्ट के बाद अयोध्या, जम्मू और कश्मीर तथा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विशेष सुरक्षा दल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। खुफिया इनपुट के अनुसार, राम मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम के अलावा 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह और अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्ज़ा समाप्त करने की वर्षगांठ के मौके पर भी आतंकी हमला हो सकता है। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्ज़ा खत्म होने की वर्षगांठ भी पांच अगस्त को ही है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

विचाराधीन कैदियों की न्याय तक पहुंच जल्द हो

विचार बिन्दु

भारत को अपनी न्याय प्रक्रिया में इस दृष्टि से आमूल-चूल परिवर्तन, परिवर्द्धन करने की आवश्यकता है कि अगर किसी आरोपित के पास जमानत के पैसे नहीं हैं तो सरकार उसकी आर्थिक मदद करे या जमानत हासिल करने के लिए उसे ऋण उपलब्ध कराए। गरीबी के कारण किसी को जेल में नहीं रखा जा सकता। विचाराधीन कैदियों में निश्चित ही कई निर्दोष होंगे। अन्याय का शिकार होने वाले ऐसे लोगों का मुद्दा ज्वलंत एवं अति-संवेदनशील होना चाहिए। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

ललित गर्ग

न्याय में देर करना अन्याय है। भारत की न्यायप्रणाली इस मायने में अन्यायपूर्ण कही जा सकती है, क्योंकि भारत की जेलों में 76 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, जिनका अपराध अभी तय नहीं हुआ है और वे दो दशक से अधिक समय से जेलों में नारकीय जीवन जीते हुए न्याय होने की प्रतिक्षा कर रहे हैं। इन्हें विचाराधीन कैदी कहा जाता है, नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक देश भर की जेलों में कुल 4,88,511 कैदी थे जिनमें से 76 फीसदी यानी 3,71,848 विचाराधीन कैदी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे विचाराधीन कैदियों के मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए ईज ऑफ लिविंग यानी जीने की सहूलियत और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने की सहूलियत की ही तरह ईज ऑफ जस्टिस की जरूरत बताते हुए कहा कि देश भर की जेलों में बंद लाखों विचाराधीन कैदियों की न्याय तक पहुंच जल्द से जल्द सुनिश्चित की जानी चाहिए। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए न्यायप्रणाली की धीमी रफ्तार को गति देकर ही ऐसे विचाराधीन कैदियों के साथ न्याय देना संभव है और इसी से सशक्त भारत का निर्माण होगा।

डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज के सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा इस मसले को उठाना खास तौर पर महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ इसकी गंभीरता को भी दर्शाता रहा है। विचाराधीन कैदियों का मुद्दा अति गंभीर इसलिये है कि बिना अपराध निश्चित हुए असीमित समय के लिये व्यक्ति सलाखों के पिछे अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय सजा के रूप में काट देता है, जब ऐसे व्यक्ति को निर्दोष घोषित किया जाता है, तो उसके द्वारा बिना अपराध के भोगी सजा का दोषी किसे माना जाये? ऐसे में कुछ ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है, ताकि यह व्यवस्था अधिकतम संख्या में नागरिकों को न्यायिक उपचार सुलभ कराने में सक्षम हो सके। सबसे पहले तो किसी व्यक्ति को दोषी ठहराए बिना जेल में रखे जाने की एक निश्चित समय सीमा होनी चाहिए। यह अवधि अनिश्चित नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा एक ट्रैकिंग प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है, जो न्यायप्रणाली में विचाराधीन कैदियों का विश्लेषण कर यह बताए कि उनकी ओर से सलाखों के पीछे भेजे गए लोगों में से कितने आखिर में निर्दोष साबित हुए? ऐसी कानूनी एजेंसियों की पहचान होनी चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए, जो अपनी ताकत का दुरुपयोग करती हैं। सरकार को उन मामलों में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी, जिनमें अंतहीन सुनवाइयों के कारण जिंदगियां जेलों में सड़ गईं।

विचाराधीन कैदियों का मुद्दा गंभीर है तभी प्रधानमंत्री ने पहले भी अप्रैल माह में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और हाईकोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में भी यह विषय उठाया था। सुप्रीम कोर्ट भी समय-समय पर इस मसले को उठाता रहा है। बावजूद इन सबके पता नहीं क्यों, इस मामले में जमीन पर कोई ठोस प्रगति होती नहीं दिखती। नरेंद्र मोदी के द्वारा इस मुद्दे को उठाने लिए जो समय चुना है, वो सटीक भी है और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण भी है। देश अपनी आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है, यह समय हमारी आजादी के अमृत काल का है अतः देश में लम्बे समय से चले आ रहे अन्याय, शोषण, अकर्मण्यता, लापरवाही, प्रशासनिक-कानूनी शिथिलताओं एवं संवेदनहीनताओं पर नियंत्रण पाया जाना चाहिए। यह समय उन संकल्पों का है जो हमारी कमियों एवं विसंगतियों से मुक्ति दिलाकर अगले 25 वर्षों में देश को आदर्श की नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। देश की इस अमृतयात्रा में न्याय प्रणली को चुस्त, दुरुस्त एवं न्यायप्रिय बनाने की सर्वाधिक आवश्यकता है। तभी प्रख्यात साहित्यकार प्रेमचन्द ने कहा था कि न्याय वह है जो कि दूध का दूध, पानी का पानी कर दे, यह नहीं कि खुद ही कागजों के धोखे में आ जाए, खुद ही पाखण्डियों के जाल में फंस जाये।'

विचाराधीन कैदियों का 73 प्रतिशत हिस्सा दलित, ओबीसी और आदिवासी समुदायों से आता है। इनमें से कई कैदी आर्थिक रूप से इतने कमजोर होते हैं जो वकील की फीस तो दूर जमानत राशि भी नहीं जुटा सकते। इसे देश की न्यायिक प्रक्रिया की ही कमी कहा जाएगा कि दोषी साबित होने से पहले ही इनमें से बहुतों को लंबा समय जेल में गुजारना पड़ा है। आलम यह है कि इनकी जमानत पर भी समय से सुनवाई नहीं हो पा रही। उत्तर प्रदेश से जुड़े ऐसे ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट मई महीने में आदेश दे चुका है कि राज्य के ऐसे तमाम विचाराधीन कैदियों को जमानत पर छोड़ दिया जाए जिनके खिलाफ इकलौता मामला हो और जिन्हें जेल में दस साल से ज्यादा हो चुका हो। फिर भी जब ऐसी कोई पहल नहीं हुई तो पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट के रुख पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर आप लोग ऐसा नहीं कर सकते तो हम खुद ऐसा आदेश जारी कर देंगे। देखना होगा कि यह मामला आगे क्या नतीजा लाता है, लेकिन समझना जरूरी है कि बात सिर्फ यूपी या किसी भी एक राज्य की नहीं है। पूरे देश के ऐसे तमाम मामलों को संवेदनशील ढंग से देखे जाने और इन पर जल्द से जल्द सहानुभूतिपूर्ण फैसला करने की जरूरत है। ग्रेट ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैण्ड, श्रीलंका जैसे मुल्कों ने जमानत के लिए अलग से कानून बनाया है और उसके अच्छे परिणाम आए हैं। भारत में भी ऐसे कदम उठाये जाने की जरूरत है।

कानून के मुताबिक, विचाराधीन कैदियों को जमानत मिलना उनका अधिकार है, लेकिन जागरूकता के अभाव, कानूनी प्रक्रिया की विसंगतियों के चलते या कई बार तकनीकी कारणों से वे लंबे समय से बगैर दोष साबित हुए जेल में बंद हैं। दंड शास्त्र का स्थापित सिद्धांत है कि बिना अपराध साबित हुए किसी व्यक्ति को जेल में बंद नहीं रखा जाना चाहिए। जमानत के प्रार्थनापत्र का शीघ्रता से निस्तारण संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और दैहिक स्वतंत्रता के मूल अधिकार का हिस्सा है। ऐसे प्रार्थनापत्रों का एक समय-सीमा में निस्तारण होना चाहिए, और जब तक अभियुक्त को छोड़ने से न्याय पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका न हो, तब तक उसे जमानत से इनकार नहीं किया जाना चाहिए। पर हकीकत इससे अलग है। तभी मोदी ने सम्मेलन में भाग लेने वाले जिला न्यायाधीशों से आग्रह किया कि वे विचाराधीन मामलों की समीक्षा संबंधी जिला-स्तरीय समितियों के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यालयों का उपयोग करके विचाराधीन कैदियों की रिहाई में तेजी लाएं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार कि देश में करीब 76 प्रतिशत कैदी विचाराधीन हैं। इनमें से एक बड़ी संख्या ऐसे कैदियों की होती है जिन्हें शायद निर्दोष पाया जाएगा। सारे विचाराधीन कैदियों में यह बात आमतौर पर देखी जाती है कि वे गरीब, युवा और अशिक्षित होते हैं। शायद सबसे बड़ा जोखिम गरीबी के कारण पैदा होता है, जो दो तरह से चोट करती है। एक, आर्थिक रूप से पिछड़े लोग कानूनी रूप से असहाय हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास जेल जाने से बचाने वाली कानूनी लड़ाई के लिए पैसे नहीं होते। दूसरे, अगर जमानत मिल भी गई तो कई बंदी जमानत की रकम चुका नहीं पाते। ऐसे लोगों के लिये सरकार को कदम उठाते हुए सरकारी निःशुल्क कानूनी सहायता के उपक्रमों को विस्तारित करना चाहिए। हर उस व्यक्ति को सरकार से मुआवजा मिलना चाहिए जिसे न्यायिक हिरासत में एक साल बिताने के बाद निर्दोष पाया जाता है, क्योंकि सरकार समय पर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में विफल रही।

रक्षाबंधन पर्व का इतिहास, पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व

भारत की सनातन परंपरा पर्व प्रधान है। ये पर्व सृष्टि के क्रमिक विकास के वार्षिक पड़ाव हैं। प्रति वर्ष आकर ये जीवन के विकासक्रम को संस्कारित करते हैं और आगे अपने धर्म के निर्वहन की प्रेरणा भी देते हैं। यह धर्म कोई मजहब या पंथ नहीं होता बल्कि मानव का होता है। इसमें राजा का धर्म, प्रजा का धर्म, पिता का धर्म, पुत्र का धर्म, भगिनी का धर्म, भाई का धर्म, पति का धर्म, पत्नी का धर्म, बड़ों का धर्म, छोटों का धर्म आदि निहित हैं। यह जीवन की संस्कृति का निर्माण करते हैं। इन पर्वों में से ही एक महत्वपूर्ण पर्व है रक्षा सूत्र बंधन। वैसे तो यह अत्यंत पौराणिक प्रचलन का पर्व है लेकिन आजकल इसे भाई बहन के पवित्र रिश्ते के साथ जोड़ कर देखा जाता है। यह पर्व हर साल आता है और अब इसे केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भाई बहन के त्यौहार के रूप में मनाया जाने लगा है। आइये एक दृष्टि डालते हैं इसके प्राचीन स्वरूप से लेकर ऐतिहासिक और वर्त्तमान स्वरूप पर। यह पर्व प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्त्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है। सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बाँधते समय कर्मकाण्डी पण्डित या आचार्य संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं, जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

प्रातः स्नानादि से निवृत्त होकर लड़कियाँ और महिलाएँ पूजा की थाली सजाती हैं। थाली में राखी के साथ रोली या हल्दी, चावल, दीपक, मिठाई और कुछ पैसे भी होते हैं। लड़के और पुरुष तैयार होकर टीका करवाने के लिये पूजा या किसी उपयुक्त स्थान पर बैठते हैं। पहले अभीष्ट देवता की पूजा की जाती है, इसके बाद रोली या हल्दी से भाई का टीका करके चावल को टीके पर लगाया जाता है और सिर पर छिड़का जाता है, उसकी आरती उतारी जाती है, दाहिनी कलाई पर राखी बाँधी जाती है और पैसों से न्यौछावर करके उन्हें गरीबों में बाँट दिया जाता है। भारत के अनेक प्रान्तों में भाई के कान के ऊपर भोजली या भुजरियाँ लगाने की प्रथा भी है। भाई बहन को उपहार या धन देता है। इस प्रकार रक्षाबन्धन के अनुष्ठान को पूरा करने के बाद ही भोजन किया जाता है। प्रत्येक पर्व की तरह उपहारों और खाने-पीने के विशेष पकवानों का महत्त्व रक्षाबन्धन में भी होता है। आमतौर पर दोपहर का भोजन महत्त्वपूर्ण होता है और रक्षाबन्धन का अनुष्ठान पूरा होने तक बहनों द्वारा व्रत रखने की भी परम्परा है। पुरोहित तथा आचार्य सुबह-सुबह यजमानों के घर पहुँचकर उन्हें राखी बाँधते हैं और बदले में धन, वस्त्र और भोजन आदि प्राप्त करते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में इतनी व्यापकता और गहराई से समाया हुआ है कि इसका सामाजिक महत्त्व तो है ही, धर्म, पुराण, इतिहास, साहित्य और फ़िल्में भी इससे अछूते नहीं हैं।

रक्षा सूत्र बंधन का त्योहार कब शुरू हुआ, इसकी कोई सटीक जानकारी नहीं मिलती लेकिन यह पर्व है अत्यंत प्राचीन, क्योंकि इसकी प्राचीनता के प्रमाण उपलब्ध हैं। भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज़र आने लगे। भगवान इन्द्र घबरा कर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बाँध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। भविष्यपुराण के अनुसार इन्द्राणी द्वारा निर्मित रक्षासूत्र को देवगुरु बृहस्पति ने इन्द्र के हाथों बांधते हुए निम्नलिखित स्वस्तिवाचन किया।

02 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1990	ईराक द्वारा कुवैत पर अधिकार एवं वहाँ के अमीर का सऊदी अरब पलायन।
1999	चीन ने लम्बी दूरी (8000 किमी.) की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया।
2001	पाकिस्तान से भारत से चीनी आयात को मंजूरी दी।
2003	संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लाइबेरिया में संघर्ष विराम लागू करने के लिए सेना भेजने की अनुमति दी।
2004	अमेरिका की लिंडसे डेवनपोर्ट ने रूस की मिस्कीनी की हराकर सान डियागो टेनिस चैम्पियनशिप का महिला एकल ख़िताब जीत लिया। पराग्वे की राजधानी आसुनसियोन में एक सुपर बाज़ार में आग लगने से 300 लोग मरे।
2007	जापना के दक्षिणी द्वीप कियुशु में सुबह आये भयानक तूफ़ान उगासी ने व्यापक पैमाने पर क्षति पहुँचायी।
2008	सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ने हांगकांग में अपनी पहली शाखा खोली। सुधीर कुमार चतुर्वेदी ने पावर ग्रिड कार्पोरेशन के नये अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में अपना कार्यभार संभाला।
2012	लंदन ओलम्पिक 2012 में भारत ने कुल 6 पदक जीते जिसमें 2 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं। भारत इस प्रतियोगिता में 55वें नम्बर पर रहा। पदक तालिका में अमेरिका शीर्ष पर रहा जिसने 104 पदक जीते।
1861	प्रफुल्ल चंद्र राय - भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, जिन्हें 'रसायन विज्ञान का जनक' माना जाता है।

सियासत की दुनिया और सत्ता लोभी चिकित्सक

विचार बिन्दु

तनवीर जाफ़री

शायद तभी वे भी पेगासस जासूसी प्रकरण के शिकार लोगों में एक हैं। इसी पेगासस प्रकरण को लेकर जब बी बी सी ने उनसे बात की तो उनके अंदर का दर्द छलका।

दरभंगा (बिहार) के डॉक्टर (प्रो) एस एम नवाब भारतीय चिकित्सा जगत की एक ऐसी बेमिसाल शख़्सियत का नाम है जिसने अपना पूरा जीवन अपने चिकत्सकीय पेशे के प्रति पूरी ज़िम्मेदारी व ईमानदारी से निभाया। जो भी डॉक्टर नवाब को जानता है उसका सिर आज भी उनका नाम आते ही सम्मान से झुक जाता है। मैं उन सौभाग्यशाली लोगों में हूँ जिसे उनके साथ अनेक बार बैठने व वार्तालाप करने का अवसर मिला। मेरे उनसे पारिवारिक रिश्ते थे लिहाज़ा वे अपने जीवन से जुड़ी तमाम बातें मुझसे सांझा किया करते थे। उनका मानना था कि इलाज का हक़प्रत्येक मानव को एक समान है चाहे वह ग़रीब हो या धनवान। उन्होंने अपना सारा जीवन लाखों अमीर व ग़रीब लोगों का इलाज विशेषकर शल्य चिकित्सा करने में गुज़ारा। जिसने जितने पैसे दिये ले लिये और जिसने नहीं दिये उससे कभी मांगे नहीं। जिस मरीज़ ने इलाज के अलावा दवाओं की भी मदद मांगी उसे वह भी मिली जिसने उनके नर्सिंग होम में बेड या कमरे का किराया देने में असमर्थता व्यक्त की उसे भी अपने दूसरे सभी सम्मानित मरीज़ों की ही तरह देखा। प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद के भी वे निजी डॉक्टर रहे। डॉक्टर नवाब को स्व इंदिरा गाँधी ने राज्य पाल बनाने व दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ने जैसे प्रस्ताव कई बार भेजे परन्तु उन्होंने हमेशा इन्हें अस्वीकार कर दिया। वे मुझे अक्सर हँसते हुए सवाल करते कि गवर्नर हॉउस में भला मैं अपने मरीज़ों का ऑपरेशन कैसे करता? चुनावी राजनीति को अपने लिये वे यह कहते हुए ख़ारिज करते कि यदि मैं चुनाव लड़ूं तो मेरे विपक्षी /विरोधी मेरी पिछली पुश्तों का ऐसा बॉयोडाटा ढूंढ निकालेंगे और उसे सार्वजनिक करेंगे जो शायद मुझे भी नहीं पता। और चुनाव लड़ने के दौरान और बाद में भी मैं अपने मरीज़ों के अधिकारों के साथ न्याय नहीं कर सकूंगा। लिहाज़ा एक डॉक्टर की हैसियत से मुझे अपने पेशे के प्रति ही गंभीर व ईमानदार होना चाहिये। अपने मरीज़ों की उम्मीदों पर खरा उतरना ही चिकित्सकीय पेशे का पहला धर्म है। डॉक्टर नवाब एक उच्च कुलीन मुस्लिम घराने के सदस्य होने के बावजूद ग़ैर मुस्लिम समाज के लोगों में और अधिक लोकप्रिय थे क्योंकि उनकी नज़रों में हर मरीज़ एक समान था। इसी तरह देश का एक और जाना पहचाना व सम्मानजनक नाम डॉक्टर लक्ष्मी सहगल का भी है। आज़ाद हिन्द फ़ौज की प्रथम महिला कमाण्डर व अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष करने वाली डॉक्टर सहगल देश की ऐसी महिला थीं जिन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अपने चिकत्सकीय पेशे को निभाया। उन्होंने कानपूर में अपना चिकित्सालय चलाया जहां ग़रीब अमीर व धर्म जाति का भेद किये बिना मरीज़ों की निःशुल्क सेवा की जाती थी। आज तथाकथित स्वयंभू राष्ट्रवादी लोग कम्युनिस्टों को राष्ट्रविरोधी बताते हैं परन्तु डॉक्टर लक्ष्मी सहगल जैसे तमाम लोगों ने यह साबित किया है कि ग़रीब अमीर व धर्म जाति के बीच भेदभाव न करने वाले कम्युनिस्ट ही सही मायने में देशभक्त भी हैं और मानवीय मूल्यों को सम्मान देने वाले भी।

नेताजी सुभाष चंद बोस के विश्वासपात्र व आज़ाद हिन्द फ़ौज के कर्नल प्रेम कुमार सहगल से विवाह करने वाली डॉक्टर लक्ष्मी सहगल ने ज़रूरत पड़ने पर प्रथम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी हैसियत से अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष भी किया और पार्टी के कहने पर डाक्टर ए पी जे अब्दुलकलाम के विरुद्ध राष्ट्रपति पद का चुनाव भी लड़ा परन्तु अपने चिकित्सकीय पेशे से कभी मुंह नहीं मोड़ा। इसी तरह आजकल डॉक्टर कफ़ील ख़ान 'डॉक्टर्स ऑन रोड' नामक राष्ट्रव्यापी मिशन चलाकर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार व बंगाल के उन सुदूर क्षेत्रों में अपनी बड़ी समर्पित टीम के साथ मरीज़ों की सेवा में लगे हैं जहाँ डॉक्टर्स तो क्या आम आदमी का भी पहुंचना मुश्किल है। परन्तु वे मुफ़्त इलाज, दवा और ज़रूरतमंदों को राशन भी बांटते फिर रहे हैं। परन्तु इन सबके विपरीत पिछले दिनों डॉक्टर प्रवीण तोगड़िया का बी बी सी गुजराती सेवा से प्रसारित एक साक्षात्कार सुनने का मौक़ा मिला। स्वयं को कैंसर सर्जन बताने वाले डॉक्टर तोगड़िया को पूरा देश जानता तो ज़रूर है परन्तु एक सफल कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में नहीं बल्कि विश्व हिन्दू परिषद् के एक फ़ायर ब्रांड वक्ता के रूप में। इसमें कोई शक नहीं कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस धर्म आधारित ध्रुवीकरण के बल पर पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में है उसमें विश्व हिन्दू परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में डॉक्टर तोगड़िया के ज़हरीले व समाज को बाँटने वाले भाषणों का बहुत बड़ा योगदान है। यह अजब इत्तेफ़ाक़ है कि गुजराती व संघ परिवार के होने के बावजूद आज वे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आँखों में खटकने वाले नेताओं की सूची में सर्वोपरि हैं।

धूंए-धूंए में जिंदगी

हैल्थ संवाददाता

तंबाकू और धूम्रपान की लत ने कब हमारे जीवन में जगह बना ली, पता तक नहीं चल पाता। कभी दूसरे को देखकर, तो कभी बुरी संगत में आकर लोग सिगरेट, गुटखा, तंबाकू व दूसरी नशीली चीजों को साथी बना लेते हैं। इन्हें लेने वालों को लगता है कि इन चीजों ने उनकी जिंदगी आसान बना दी है। कई बार कम उम्र में ही खुद को बड़ों जैसा महसूस करने की ख्वाहिश में धुएं के छल्ले उड़ाने की ललक भी इस दलदल में धकेल देती है। जब इससे परेशानी होने लगती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हर कश स्वस्थ जीवन पर जुल्म ढाता है। हर पुड़िया में जिंदगी घुल रही है। तंबाकू की हर चुटकी जिंदगी को चाट रही है। इस मौके पर क्यों न ठान लें कि तंबाकू और धूम्रपान की इस लत से छुटकारा पाना ही है।

निकोटिन की लत के लक्षण

अगर नीचे दिए गए लक्षण नजर आने लगें तो समझ लेना चाहिए कि इंसान को निकोटिन की लत लग चुकी है। भूख कम महसूस होना। अधिक लार और कफ बनना। प्रति मिनट दिल की धड़कन 10 से 20 बार बढ़ जाती है तो यह लत का लक्षण है। छोटी बात पर भी बेचैनी महसूस होना। ज्यादा पसीना आना और उल्टी-दस्त होना। हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना। निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना। चिंता बढ़ना, अवसाद, निराशा आदि महसूस होना। सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगे तो भी इसे निकोटिन की लत का लक्षण माना जाता है।

नुकसानदायक केमिकल

तंबाकू में चार हजार से ज्यादा नुकसानदायक केमिकल पाए जाते हैं। सिगरेट में 40 ऐसे रसायन हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं।

निकोटिन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिऐक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट के जले रहने में मदद करता है। इसकी वजह से ल्यूकेमिया हो सकता है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इसकी वजह से कैंसर होने का खतरा रहता है।

अमोनिया: टॉयलेट क्लीनर और ड्रायक्लिनिंग लिक्विड में इस्तेमाल किया जाता है। यह तंबाकू से निकोटिन को अलग कर गैस में बदल देता है।

एसिटोन: इसका इस्तेमाल नेल पॉलिश हटाने में होता है। इसमें ज्वलनशील गुण होता है जो फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़े में जमा होता है। स्मोकिंग के दौरान जितनी टार बनती है, उसका 70 फीसदी फेफड़ों में जमा होता है। आर्सेनिक (चूहे मारने का जहर), हाइड्रोजन साइनाइड जैसे काफी जहरीले रसायन भी होते हैं।

पनपता खतरा

एक सिगरेट में 9 मिग्रा निकोटीन होता है, जो जलकर 1 ग्राम रह जाता है। निकोटीन सीधा शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन यह सैकड़ों केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है और बाद में उन्हें खत्म करने लगता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए एक ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2 मिलीग्राम तक होता है। तंबाकू में कई तरह के कार्सिनोजिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के कारण बनते हैं। धूम्रपान से लंग, मुंह, गला, कंठ, श्वासनली का कैंसर होने के चांस बढ़ जाते हैं। तंबाकू, खैनी, पान मसाला, गुटखा आदि के सेवन से भी इन अंगों के कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि कितने दिनों तक इसके इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है, इस बारे में साफतौर पर नहीं कहा जा सकता। जब कोई स्मोकिंग करता है तो गाल की अंदरूनी परत पर और फेफड़े में निकोटीन अवशोषित हो जाता है। इसकी लत कोकेन या हेरोइन की लत से कम नहीं होती। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग ऐब्यूज के अनुसार कैंसर के जितने मामले होते हैं, उसके एक तिहाई स्मोकिंग करने वालों से जुड़े होते हैं।स्मोकिंग करने से फेफड़े की बीमारियां होती हैं और दिल की बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है।धूम्रपान न करने वालों के मुकाबले इसे करने वालों की उम्र सामान्य से 14 साल कम हो जाती है।

कैसे बनते हैं चेन स्मोकर

जब कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है तो ब्रेन में लगभग 10 सेकंड और उसके बाद सेंट्रल नर्वस सिस्टम में 5 मिनट तक निकोटिन का असर रहता है। हालांकि स्मोकिंग करने से थोड़ी देर के लिए काम करने की क्षमता बढ़ती है, लेकिन बाद में शरीर सुस्त होने लगता है। धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होती जाती है और फिर धूम्रपान की जरूरत महसूस होती है। बार-बार इस तलब को मिटाने की कोशिश में इंसान चेन स्मोकर हो जाता है।

हर्बल सिगरेट

धूम्रपान छोड़ने के लिए हर्बल सिगरेट की भी मदद ली जा सकती है। आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाली कंपनियां हर्बल सिगरेट बना रही हैं। इनमें पुदीना, वाइल्ड लेटिस (सलाद पत्ता), कैट्रिनप (एक प्रकार की सुगंधित वनस्पति), कमल के पत्ते, मकई के रेशे, मुलेठी की जड़ें आदि के सूखे चूर्ण का इस्तेमाल होता है।

सिगरेट छुड़ाने के वैकल्पिक तरीके

ई-सिगरेट के मामलों से जुड़े विशेषज्ञ अंकित गौड़ का कहना है कि इससे शत-प्रतिशत निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच जाने का दावा तो नहीं किया जा सकता, लेकिन सिगरेट छोड़ने में इससे मदद जरूर मिलती है। इसमें कार्टेज में अलग-अलग स्तर में निकोटिन डाला जाता है। एक अध्ययन से पता चलता है कि जब कोई सिगरेट की 15 कश लेता है तो उसके अंदर 1 से 2 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है, जबकि ई-सिगरेट में 16 मिलीग्राम निकोटिन वाले कार्टेज का इस्तेमाल करने से इतनी ही कश लेने पर 0.15 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है। स्वास्थ के लिहाज से यह तरीका भी सही नहीं है क्योंकि इसके जरिए भी निकोटिन तो शरीर में जाता ही है। इसकी मदद से निकोटिन के स्तर को कम किया जा सकता है और धीरे-धीरे कोई स्मोकर निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच सकता है। पान की दुकानों पर, दवा की दुकानों पर और इंटरनेट के जरिए इसे खरीदा जा सकता है। पूरी किट 1 से 2 हजार तक मिल जाती है। इससे इतनी कीमत में लगभग 500 सिगरेट पी जा सकती हैं।

मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास: किसी प्रकार की लत होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले भी अगर मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास करते हैं तो उनका आत्मबल बढ़ता है। ऐसे में इन लतों को त्याग पाने की इच्छा शक्ति उनके अंदर पैदा होती है।

सेहत को धुएं में उड़ाती ई-सिगरेट

यूं तो ई-सिगरेट का इस्तेमाल सिगरेट छोड़ने वाले लोग एक माध्यम के तौर पर करते हैं, लेकिन भारत में बिना किसी नियम-कानून के चलते, दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा यह बाजार अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। आलम यह है कि अभी तक सिगरेट छुड़ाने के लिए इलाज के एक माध्यम के रूप में बाजार में मिलने वाली यह ई-सिगरेट, नए तरह का नशा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों के अनुसार बाजार में मिलने वाली ई-सिगरेट्स में कई ब्रैंड ऐसे हैं, जिनमें सामान्य सिगरेट से भी कहीं ज्यादा मात्रा में निकोटीन है।

सिगरेट की तरह ही खतरनाक है ई-सिगरेट

इस साल अक्टूबर में मॉस्को में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तंबाकू नियंत्रण सेमिनार में ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट के जैसे ही खतरनाक और नुकसानदायक माना। वहीं सितंबर में दिल्ली में दक्षिण-एशियाई देशों की बैठक में भी इसे नुकसानदायक करार दिया गया है। यही कारण है कि भारत में ई-सिगरेट पर कड़े नियम बनाने की मांग बढ़ गई है।

नियम ही नहीं हैं, तो क्या करें

भारत में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध है, लेकिन ई-सिगरेट पीने पर कोई नियम-कानून नहीं है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ऑनलाइन ई-सिगरेट मंगाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुंबई की हील्स फाउंडेशन के डॉ. प्रकाश गुप्ता का कहना है कि ई-सिगरेट में निकोटीन के ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से इंटरनेट से मंगाया जा रहा है। भारत में तंबाकू पर बने कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू प्रॉडक्ट नहीं दिए जाते, जबकि इंटरनेट के माध्यम से ई-सिगरेट किसी भी उम्र के लोग मंगा रहे हैं। गौरतलब है कि ई-सिगरेट बनाने वाली कंपनियां इसे सामान्य सिगरेट से कम हानिकारक के तौर पर प्रचारित कर रही हैं, लेकिन डॉक्टरों की राय इससे जुदा है। टाटा अस्पताल के हेड ऐंड नेक सर्जन, डॉ. पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि किसी भी रिसर्च के माध्यम से यह साबित नहीं हुआ है कि ई-सिगरेट, सिगरेट के डी-अडिक्शन के लिए किसी भी तरह से कारगर साबित हुई है बल्कि, यह उतनी ही नुकसानदायक है जितनी सामान्य सिगरेट। कई ब्रैंड के ई-सिगरेट में 36 मिलीग्राम तक निकोटीन की मात्रा होती है, जो उसे सामान्य सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक बनाती है।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट बैटरी से चलने वाले ऐसा उपकरण है, जो निकोटीन को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाता है। ई-सिगरेट, देखने में बिलकुल सामान्य सिगरेट या सिगार जैसी प्लास्टिक या मेटल से बनी होती है। बाजार में ई-सिगरेट के 7764 से भी ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं। यह सही है कि भारत में अभी तक ई-सिगरेट को लेकर कोई नियम नहीं है, लेकिन सरकार जल्द ही इस पर नियम लाने की तैयारी में है।

क्या है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लुएंजा वायरस से होती है। यह वायरस एच1 एन1 के नाम से जाना जाता है और मौसमी फ्लू में भी यह वायरस सक्रिय होता है। 2009 में जो स्वाइन फ्लू हुआ था, उसके मुकाबले इस बार का स्वाइन फ्लू कम पावरफुल है, हालांकि उसके वायरस ने इस बार स्ट्रेन बदल लिया है यानी पिछली बार के वायरस से इस बार का वायरस अलग है।

कैसे फैलता है

जब आप खांसते या छींकते हैं तो हवा में या जमीन पर या जिस भी सतह पर थूक या मुंह और नाक से निकले द्रव कण गिरते हैं, वह वायरस की चपेट में आ जाता है। यह कण हवा के द्वारा या किसी के छूने से दूसरे व्यक्ति के शरीर में मुंह या नाक के जरिए प्रवेश कर जाते हैं। मसलन, दरवाजे, फोन, कीबोर्ड या रिमोट कंट्रोल के जरिए भी यह वायरस फैल सकते हैं, अगर इन चीजों का इस्तेमाल किसी संक्रमित व्यक्ति ने किया हो।

शुरुआती लक्षण

- नाक का लगातार बहना, छींक आना, नाक जाम होना।
- मांसपेशियां में दर्द या अकड़न महसूस करना।
- सिर में भयानक दर्द।
- कफ और कोल्ड, लगातार खांसी आना।
- उनींदे रहना, बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- बुखार होना, दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना।
- गले में खराश होना और इसका लगातार बढ़ते जाना।

नॉर्मल फ्लू से कैसे अलग

सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के वायरस में एक फर्क होता है। स्वाइन फ्लू के वायरस में चिड़ियों, सूअरों और इंसानों में पाया जाने वाला जेनेटिक मटीरियल भी होता है। सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के लक्षण एक जैसे ही होते हैं, लेकिन स्वाइन फ्लू में यह देखा जाता है कि जुकाम बहुत तेज होता है। नाक ज्यादा बहती है। पीसीआर टेस्ट के माध्यम से ही यह पता चलता है कि किसी को स्वाइन फ्लू है। स्वाइन फ्लू होने के पहले 48 घंटों के भीतर इलाज शुरू हो जाना चाहिए। पांच दिन का इलाज होता है, जिसमें मरीज को टेमीफ्लू दी जाती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव और इसका इलाज

- साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए और फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही सावधानी बरती जाए, तो इस बीमारी के फैलने के चांस न के बराबर हो जाते हैं।
- जब भी खांसी या छींक आए रूमाल या टिश्यू पेपर यूज करें।
- इस्तेमाल किए मास्क या टिश्यू पेपर को ढक्कन वाले डस्टबिन में फेंकें।
- थोड़ी-थोड़ी देर में हाथ को साबुन और पानी से धोते रहें।
- लोगों से मिलने पर हाथ मिलाने, गले लगने या चूमने से बचें।
- फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

Swine flu alert!

स्वाइन फ्लू एक बार फिर देश में पांव पसार रहा है, जिससे मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दिन-प्रतिदिन स्वाईन फ्लू के नए-नए मामले सामने आते जा रहे है। फ्लू से डरने के बजाय जरूरत इसके लक्षणों के बारे में जानने और सावधानी बरतने की है।

यह रहें सावधान

5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं। जिन लोगों को निम्न में से कोई बीमारी है, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए = फेफड़ों, किडनी या दिल की बीमारी मस्तिष्क संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) बीमारी मसलन, पर्किंसन कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग डायबीटीजं ऐसे लोग जिन्हें पिछले 3 साल में कभी भी अस्थमा की शिकायत रही हो या अभी भी हो। ऐसे लोगों को फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं का प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) शरीर में होने वाले हॉरमोन संबंधी बदलावों के कारण कमजोर होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के तीसरे चरण यानी 27वें से 40वें सप्ताह के बीच उन्हें ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंता की बात

इस बीमारी से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है दिमाग से डर को निकालना। ज्यादातर मामलों में वायरस के लक्षण कमजोर ही दिखते हैं। जिन लोगों को स्वाइन फ्लू हो भी जाता है, वे इलाज के जरिए सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल में एडमिट भी नहीं होना पड़ता और घर पर ही सामान्य बुखार की दवा और आराम से ठीक हो जाते हैं। कई बार तो यह ठीक भी हो जाता है और मरीज को पता भी नहीं चलता कि उसे स्वाइन फ्लू था। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि जिन लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आता है, उनमें से इलाज के दौरान मरने वालों की संफ्या केवल 0.4 फीसदी ही है। यानी एक हजार लोगों में चार लोग। इनमें भी ज्यादातर केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेशंट पहले से ही हार्ट या किसी दूसरी बीमारी की गिरफ्त में होते हैं या फिर उन्हें बहुत देर से इलाज के लिए लाया गया होता है।

कब तक रहता है वायरस

एच1एन1 वायरस स्टील, प्लास्टिक में 24 से 48 घंटे, कपड़े और पेपर में 8 से 12 घंटे, टिश्यू पेपर में 15 मिनट और हाथों में 30 मिनट तक एक्टिव रहते हैं। इन्हें खत्म करने के लिए डिटर्जेंट, एल्कॉहॉल, ब्लीच या साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी भी मरीज में बीमारी के लक्षण इन्फेक्शन के बाद 1 से 7 दिन में डिवेलप हो सकते हैं। लक्षण दिखने के 24 घंटे पहले और 8 दिन बाद तक किसी और में वायरस के ट्रांसमिशन का खतरा रहता है।

आयुर्वेद

ऐसे करें बचाव

इनमें से एक समय में एक ही उपाय आजमाएं। 4-5 तुलसी के पत्ते, 5 ग्राम अदरक, चुटकी भर काली मिर्च पाउडर और इतनी ही हल्दी को एक कप पानी या चाय में उबालकर दिन में दो-तीन बार पिएं। गिलोय (अमृता) बेल की डंडी को पानी में उबाल या छानकर पिएं। गिलोय सत्व दो रत्ती यानी चौथाई ग्राम पौना गिलास पानी के साथ लें। 5-6 पत्ते तुलसी और काली मिर्च के 2-3 दाने पीसकर चाय में डालकर दिन में दो-तीन बार पिएं।- आधा चम्मच हल्दी पौना गिलास दूध में उबालकर पिएं। आधा चम्मच हल्दी गरम पानी या शहद में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

चीन के झानले ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

नानटेरे। चीन के पैन झानले ने पेरिस ओलंपिक की तैराकी प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 46.40 सेकंड का समय लेकर अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार करके स्वर्ण पदक जीता।

पेरिस ओलंपिक में तैराकी प्रतियोगिता पिछले चार दिन से चल रही है लेकिन इससे पहले कोई विश्व रिकॉर्ड नहीं बना था। चीन का यह वर्तमान ओलंपिक खेलों में तैराकी में यह पहला स्वर्ण पदक है। पैन ने इससे पहले फरवरी में दोहा में विश्व चैंपियनशिप में 46.80 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के काइल चाल्मर्स ने 47.48 सेकंड का समय लेकर रजत और रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 47.49 का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

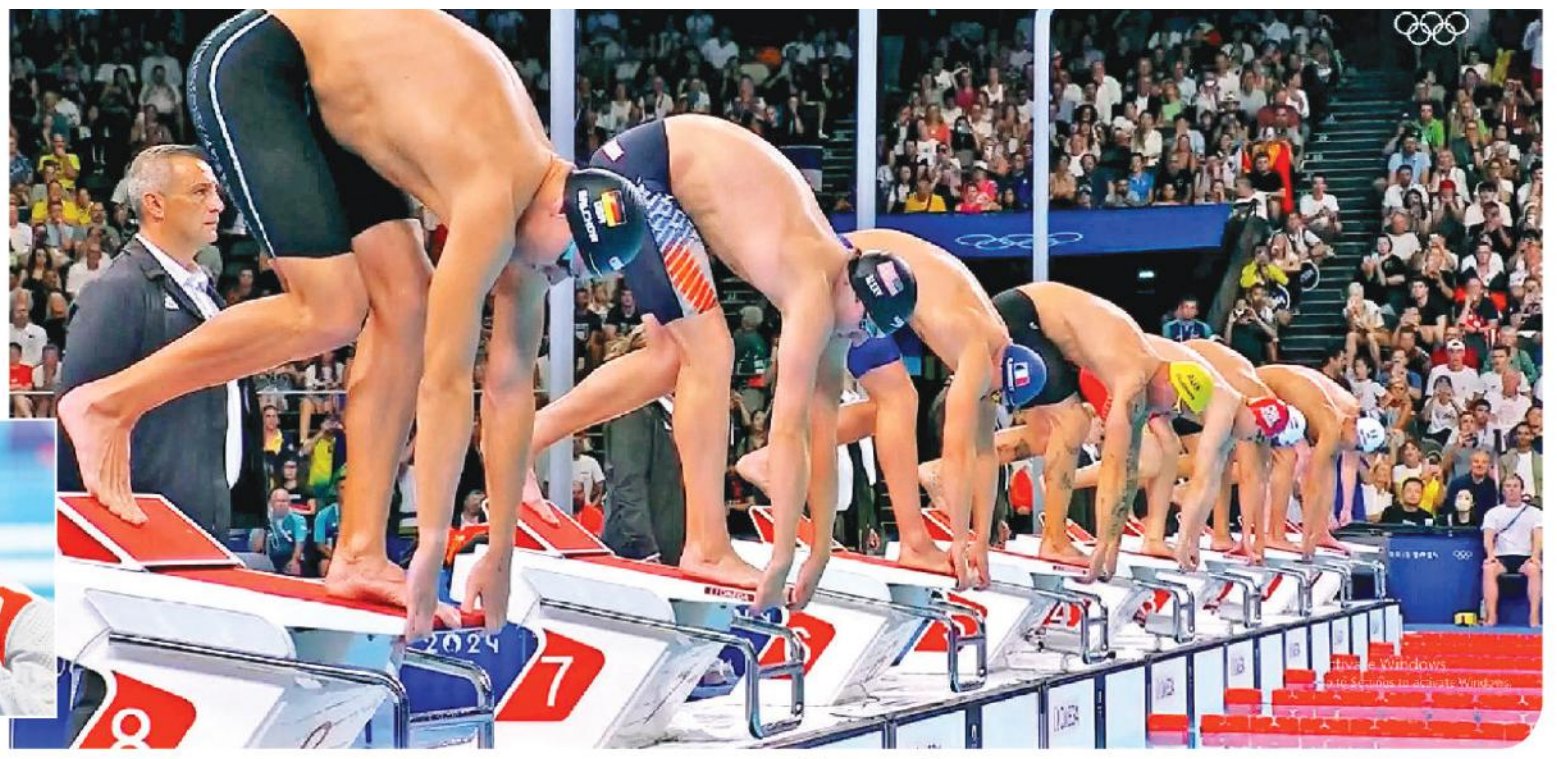

ओलंपिक : पदक तालिका

क्र.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	11	7	3	21
2	फ्रांस	8	10	8	26
3	जापान	8	3	4	15
4	ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
5	अमेरिका	6	13	12	31
42	भारत	0	0	3	03

आज के कार्यक्रम

गोल्फ : पुरुषों के व्यक्तिगत फाइनल्स (दूसरा दौर) : शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर - दोपहर 12.30 बजे

निशानेबाजी : महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन प्रिसिजन: ईशा सिंह और मनु भाकर - दोपहर 12.30 बजे, पुरुषों की स्कीट क्वालीफिकेशन पहला दिन: अनंतजीत सिंह नरुका - दोपहर 1.00 बजे

तीरंदाजी : मिश्रित टीम (1/8 एलीमिनेशन) : भारत (धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत) बनाम इंडोनेशिया - दोपहर 1.19 बजे

नौकायन : पुरुषों का सिंगल स्कल्स फाइनल (फाइनल डी): बलराज पंवार - दोपहर 1.48 बजे

जूडो : महिलाओं का प्लस 78 किग्रा (एलीमिनेशन राउंड ऑफ 32): तूलिका मान बनाम इडालिस ओर्टिज (क्यूबा) - दोपहर 2.12 बजे

पाल नौकायन: महिला डिंगी (रेस तीन): नेत्रा कुमानन - दोपहर 3.45 बजे, महिला डिंगी (रेस चार): नेत्रा कुमानन - शाम 4.53 बजे, पुरुष डिंगी (रेस तीन): विष्णु सरवनन - शाम 7.05 बजे, पुरुष डिंगी (रेस चार): विष्णु सरवनन - रात 8.15 बजे

हॉकी: पुरुष टूर्नामेंट (ग्रुप चरण) : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - शाम 4.45 बजे

बैडमिंटन: पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल: लक्ष्य सेन बनाम चाउ टिएन चेन (चीनी ताइपे) - शाम 6:30 बजे

एथलेटिक्स : महिला पांच हजार मीटर (हीट एक): अंकिता ध्यानी - रात 9.40 बजे, महिला पांच हजार मीटर (हीट दो): पारुल चौधरी - रात 10.06 बजे, पुरुष गोला फेंक (क्वालीफिकेशन): तेजिंदरपाल सिंह तूर - रात 11.40 बजे

हार... हार... हार..., बैडमिंटन-मुक्केबाजी हॉकी खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक के प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी को 64 मिनट चले मुकाबले में दुनिया की सातवें नंबर की चिया और सोह जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार मिली। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चिया और सोह के खिलाफ 12 मैच में यह भारतीय जोड़ी की नौवीं हार है। हार से पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय जोड़ी का पदक जीतने का सपना टूट गया।

बढ़त बनाने के बाद बेल्जियम से हारी भारतीय हॉकी टीम

हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन बेल्जियम ने गुरुवार को पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2-0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था। क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिए अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढ़त बरकरार रखी।

निकहत जरीन का पदक जीतने का सपना टूटा

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किलो) का ओलंपिक पदक जीतने का सपना एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से 0-5 से अप्रत्याशित और एकतरफा हार के साथ खत्म हो गया। निकहत का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें वरीयता नहीं मिली थी क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ को मान्यता नहीं देती जो विश्व चैंपियनशिप कराता है। भारत की पदक की सबसे प्रबल दावेदारों में से एक निकहत को बेहद कठिन ड्रॉ मिला था।

20 किमी पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों ने किया निराश

भारतीय खिलाड़ियों का गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष और महिला दोनों वर्ग की 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रहीं। उन्होंने एक घंटा 39 मिनट और 55 सेकंड का समय निकाला।

पेरिस की खबरें

अपने 'स्वैग' से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तुर्की का निशानेबाज

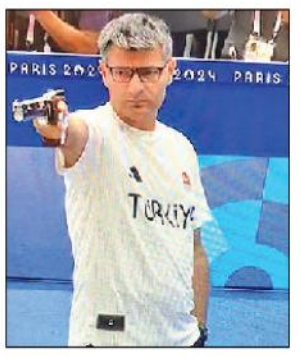

शेटराउ। एक हाथ जेब में डाले, बिना किसी सुरक्षा गियर के, बिना कोई विशेष लेंस पहने, अपने रोजमर्रा के चश्मे के साथ एकदम सहजता से पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले तुर्की के पिस्टल निशानेबाज युसूफ डिकेच के 'स्वैग' के चर्चे सोशल मीडिया पर खूब हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर काफी वायरल हो गई है जिसमें वह सफेद रंग की टी शर्ट पहने एक हाथ जेब में डाले निशाना साध रहे हैं। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता जो ओलंपिक निशानेबाजी में तुर्की का पहला पदक है। यह वही स्पर्धा है जिसमें भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने कांस्य पदक जीता था। 51 वर्ष के युसूफ ने कहा, 'मैं अब 2028 में स्वर्ण लेने की कोशिश करुंगा।'

तीरंदाज जाधव पहले दौर में हारे

भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव गुरुवार को यहां व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ सीधे सेट में हार के साथ पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए। जाधव को राउंड ऑफ 64 में 0-6 (28-29, 29-30, 27-28) से शिकस्त का सामना करना पड़ा। जाधव ने मुकाबले के दौरान चार बार 10 अंक जुटाए लेकिन चीन का तीरंदाज तीनों सेट में भारतीय खिलाड़ी को एक अंक से पछाड़ने में सफल रहा। जाधव की हार के साथ पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय अभियान समाप्त हो गया क्योंकि अनुभवी तरुणदीप राय और धीरज बोम्मदेवरा पहले ही अपने नॉकआउट मैच हार चुके हैं।

लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में, सिंधू बाहर

पेरिस। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पदक के प्रबल दावेदार पीवी सिंधू विपरीत अंदाज में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंग जियाओ के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा जिससे उनका लगातार तीन ओलंपिक में व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का सपना भी टूट गया।

खबर संक्षेप

कुसाले को मिलेगा एक करोड़ रुपए का पुरस्कार

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की। कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के पेरिस ओलंपिक में कुल पदकों की संख्या तीन हो गई। शिंदे ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कुसाले के पिता और कोच से बात की थी।

माही की तरह कुशल रणनीतिकार हैं रोहित

मुंबई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सफेद गेंद के प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी की ही तरह कुशल रणनीतिकार है और इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक भी हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 विश्व कप जीता। रोहित भारत के सबसे सफल टी20 कप्तान भी बन गए जिनकी कप्तानी में भारत ने 62 में से 49 मैच जीते।

मेरे पसंदीदा गेंदबाज बुमराह हैं : धोनी

हैदराबाद। महान बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह उनके पसंदीदा गेंदबाज हैं लेकिन उन्होंने पसंदीदा बल्लेबाज के बारे में पूछने पर विराट कोहली और रोहित शर्मा में से एक को चुनने से इनकार किया। यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान धोनी ने कहा, 'मेरा पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है क्योंकि वह बुमराह हैं। बल्लेबाज चुनना कठिन है क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज हैं। इसके मायने यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छे नहीं है।'

पुरुष रिले टीम और साबले से अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि बेशक सभी की निगाहें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर होंगी लेकिन भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम स्पर्धा में और स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले पेरिस ओलंपिक में सबको हैरान कर सकते हैं।

चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स दल पेरिस ओलंपिक में 16 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। अंजू ने गुरुवार को 'जियो सिनेमा' द्वारा आयोजित मीडिया से बातचीत में कहा, 'अब एथलेटिक्स में हर कोई एक नाम (नीरज चोपड़ा) जानता है। लेकिन अन्य एथलीट अविनाश साबले, चार गुणा 400 मीटर रिले टीम और किशोर जेना (भाला फेंक) से भी उम्मीद है। हम पदक की भविष्यवाणी नहीं कर सकते। लेकिन ये सभी स्पर्धाएं फाइनल्स हैं जो साबित करती हैं कि हम सही रास्ते पर हैं।'

एनसीए में क्रिकेटरों के लिए सत्र का आयोजन

बेंगलुरु। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किए जाने के मद्देनजर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने खेलों में डोपिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गुरुवार को यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में भारतीय क्रिकेटरों के लिए सत्र आयोजित किया। क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने के बाद विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी वाडा अन्य खेलों की तरह भारतीय क्रिकेटरों पर भी नजर रखेगी और ऐसे में उनका डोपिंग रोधी नियमों से अवगत होना जरूरी है।

जीत के बाद सरबजोत ने खाए डोसा और गोलगप्पे

पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने 'इंडिया हाउस' पहुंचने पर सबसे पहले कुछ खाने के लिए मांगा जिसके बाद उनके सामने गोल गप्पे, भेल और डोसा परोसे गए। सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ इसके तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे। 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने यहां आतिथ्य गृह 'इंडिया हाउस' बनाया गया है। यहां पर बिरयानी और मटन करी से लेकर दही चावल तथा मिठाइयों तक भारतीय भारतीय व्यंजन भी परोसे जाते हैं।

शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियाटेक हारकर बाहर

एजेंसी ▶▶| पेरिस

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियाटेक गुरुवार को पेरिस ओलंपिक की महिला टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल में चीन की झेंग किनवेन से हारकर बाहर हो गईं। झेंग ने पिछले पांच साल में चार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली स्वियाटेक को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियाटेक के लिए यह करारा झटका था। डब्लूटीए रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज झेंग जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहीं थीं।शनिवार के स्वर्ण पदक मैच में 21 वर्षीय झेंग का सामना क्रोएशिया की 13वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिच और स्लोवाकिया की गैर वरीय अन्ना करोलिना श्मीडलोवा के बीच मुकाबले की विजेता से होगा।

चैपियंस ट्रॉफी : 7 करोड़ डॉलर का बजट मंजूर

कराची। आईसीसी ने पाकिस्तान में अगले साल होने वाली चैपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए करीब सात करोड़ डॉलर के बजट को मंजूरी दी है। आईसीसी के एक करीबी सूत्र ने बताया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी की वित्त और वाणिज्य समिति ने बजट को मंजूरी दी। सूत्र ने कहा, 'अनुमानित बजट करीब सात करोड़ डॉलर का है और सिर्फ 45 लाख डॉलर अतिरिक्त खर्च के लिए आवंटित किए गए हैं।' कुल बजट और अतिरिक्त खर्च रकम को लेकर आईसीसी की पिछली बैठक में काफी अटकलें थी कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आती है तो कुछ मैच अन्यत्र कराने के लिए बैकअप कोष रखा जाएगा। सूत्र ने कहा कि इसके लिए 45 लाख डॉलर काफी कम हैं।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे में आज रोहित-कोहली पर नजरें

राहुल बनाम पंत मसला सुलझाने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में यह फैसला करने का मौका होगा कि केएल राहुल और ऋषभ पंत में से कौन वनडे क्रिकेट में भारत का लंबे समय तक विकेटकीपर बल्लेबाज होगा।

इस श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर भी निगाहें टिकी रहेगी जो टी20 विश्व कप में जीत के बाद पहली बार कोई मैच खेलेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन बाहर चल रही चर्चाओं पर ध्यान दिए बिना उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि इस सत्र में चैंपियंस ट्राफी सहित कुछ महत्वपूर्ण वनडे प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस संदर्भ में राहुल बनाम ऋषभ का मसला निश्चित तौर पर प्राथमिकता में होगा। पंत के चोट से उबरकर वापसी करने से पहले राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी। उन्होंने विकेट के आगे और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन किया था। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व वाले पिछले टीम प्रबंधन ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया था। लेकिन अब जबकि पंत की वापसी हो गई है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता देते हैं या पिछले टीम प्रबंधन की तरह राहुल पर ही विश्वास बनाए रखते हैं। अगर गंभीर और कप्तान रोहित इन दोनों बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में बनाए रखने का फैसला करते हैं तो तब उन्हें इस पर विचार करना होगा कि श्रेयस अय्यर को कैसे टीम में फिट किया जाए जो 50 ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।

दुबे पर पराग का पलड़ा भारी

भारत नंबर छह बल्लेबाज के रूप में शिवम दुबे या रियान पराग में से किसी को मौका दे सकता है। इसमें पराग का पलड़ा भारी लग रहा है क्योंकि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में गेंदबाज की भूमिका भी निभाई थी। दूसरी तरफ पांच साल पहले वनडे मैच खेलने वाले दुबे ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में केवल एक मैच खेला और उसमें भी उन्होंने गेंदबाजी नहीं की। गंभीर इसके अलावा रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर भी निगाह बनाए रखेंगे क्योंकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए टीम तैयार करनी है।

गोल्फर दीक्षा पेरिस में कार दुर्घटना में घायल होने से बचीं, तय कार्यक्रम के अनुसार खेलेंगी

एजेंसी ▶▶| पेरिस

पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर की कार को अन्य वाहन ने टक्कर मार दी लेकिन गनीमत है कि इस दुर्घटना में उन्हें कोई चोट नहीं लगी जिससे वह अपनी स्पर्धा में तय कार्यक्रम के अनुसार हिस्सा लेंगी। दीक्षा अगले हफ्ते बुधवार को प्रतियोगिता में खेलने उतरेंगी। कार में डागर परिवार दीक्षा, उनके पिता और कैडी कर्नल नरेन डागर, उनकी मां और भाई थे। मंगलवार रात 'इंडिया हाउस' में एक समारोह से लौटते समय एक अन्य वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। उनके पिता उनके कैडी भी हैं जिन्हें इस दुर्घटना में कोई चोट नहीं आई है। दीक्षा के भाई को मामूली चोटें आई हैं जबकि उनकी मां के पीठ में चोट लगी है जिससे उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां वह निगरानी में हैं। दीक्षा ने गोल्फ कोर्स में कुछ घंटे अभ्यास किया, वह यहां पिछले महीने भी आई थीं। इस गोल्फर ने कहा कि उनकी मां ठीक हो रही हैं और उनके पिता अस्पताल में हैं। भारतीय गोल्फ संघ का एक अधिकारी भी कोर्स में दीक्षा के साथ था।

खबर संक्षेप

डाबर इंडिया का जून तिमाही लाभ आठ प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी डाबर इंडिया का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 8.27 प्रतिशत बढ़कर 494.35 करोड़ रुपये रहा है। बेरोजगारी दर के कारण मांग को लेकर बने चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद उसका मुनाफा बढ़ा है।

अदाणी एंटरप्राइजेज का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक हुआ

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक हो गया है। कंपनी के शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 116 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,458 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 675 करोड़ रुपये था।

टाटा मोटर्स के शुद्ध लाभ में 74 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 74 प्रतिशत बढ़कर 5,566 करोड़ रुपये हो गया है। टाटा मोटर्स ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की सूचना दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 3,203 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

अशोक लेलैंड की जुलाई में बिक्री आठ फीसदी घटी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड की जुलाई में कुल बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 13,928 इकाई रह गई। पिछले साल इसी महीने में यह 15,068 इकाई रही थी। जुलाई में उसकी घरेलू बाजार में बिक्री पिछले साल के समान महीने के 14,207 इकाई के आंकड़े की तुलना में नौ प्रतिशत घटकर 12,926 इकाई रह गई।

आईटीसी का लाभ मामूली गिरकर 5177 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत आईटीसी लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में मामूली घटकर 5,176.99 करोड़ रुपये रहा है। आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि उसके मुनाफे पर व्यापक आर्थिक चुनौतियों का असर पड़ा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 5,189.61 करोड़ रुपये रहा था।

जोमैटो का लाभ कई गुना उछल 253 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। होटल तथा रेस्तरां से खाद्य पदार्थों की खरीद का विकल्प पेश करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ कई गुना होकर 253 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ सिर्फ दो करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसकी परिचालन आय 74 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4,206 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष अप्रैल-जून में 2,416 करोड़ रुपये थी।

राज्य सीधे एफसीआई से 2800 रुपए प्रति क्विंटल चावल खरीद सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर राज्यों को अपनी कल्याणकारी योजनाओं के लिए चावल की जरूरत है तो वे ई-नीलामी में भाग लिए बिना भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सीधे चावल खरीद सकते हैं।

- राज्य ई-नीलामी में भाग लिए बिना सीधे खरीद सकेंगे चावल

पिछले साल केंद्र ने खराब मानसून के मद्देनजर कम उत्पादन की आशंकाओं के कारण राज्यों को चावल उपलब्ध नहीं कराया था। कर्नाटक ने पिछले साल अपनी कल्याणकारी योजना के लिए चावल की मांग की थी, लेकिन उसके अनुरोध खारिज कर दिया गया था।

कल्याणकारी योजनाओं के लिए यह खरीदी राज्य कर पाएंगे : केंद्रीय मंत्री

राज्य की और से अभी कोई मांग नहीं आई

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी तक किसी भी राज्य की ओर से कोई मांग नहीं आई है। सरकारी बयान के अनुसार, राज्य एक अगस्त, 2024 से ई-नीलामी में भाग लिए बिना मुक्त बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत भारतीय खाद्य निगम से चावल खरीद सकते हैं। नए खरीद सत्र की शुरुआत से पहले स्टॉक के भारी अधिशेष को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

एथनॉल उत्पादन क्षमता में हुई वृद्धि

जोशी ने यह भी बताया कि एथनॉल उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,589 करोड़ लीटर प्रति वर्ष हो गई है, जो देश की घरेलू एथनॉल जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये के भुगतान के साथ चालू चीनी सत्र 2023-24 के लिए 94.8 प्रतिशत से अधिक गन्ना बकाया चुका दिया गया है, जिससे गन्ना बकाया न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ब्रांड आटा, चावल बिकना जारी रहेगा

जोशी ने कहा कि 'भारत' ब्रांड के तहत आटा और चावल की बिक्री जो 30 जून, 2024 तक चलने वाली थी, वह जारी रहेगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना जारी रखने का फैसला किया है। जिसे पूरी तरह से केंद्र सरकार वहन करेगी।

जून 2023 में मुक्त बाजार बिक्री योजना हुई थी बंद

जून, 2023 में केंद्र ने मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत केंद्रीय पूल से राज्य सरकारों को चावल और गेहूं की बिक्री बंद कर दी थी। यहां एक सम्मेलन में जोशी ने कहा, ''राज्य सीधे केंद्रीय पूल से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से चावल खरीद सकते हैं। उन्हें ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की जरूरत नहीं है।''

कीमतों को स्थिर रखने नीतिगत हस्तक्षेप कर सकेगी सरकार

16 और खाद्य वस्तुओं की थोक, खुदरा कीमतों पर रोजाना के आधार पर निगाह रखेगा केंद्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सरकार एक अगस्त से 16 और आवश्यक खाद्य वस्तुओं की थोक और खुदरा कीमतों पर रोजाना के आधार पर नजर रखेगी ताकि कीमतों को स्थिर रखने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप करने में मदद मिल सके।

उपभोक्ता मामलों का विभाग पहले से ही 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 550 केंद्रों से 22 आवश्यक खाद्य वस्तुओं की दैनिक कीमतों पर नजर रख रहा है। जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हम अब इसमें (निगरानी की वस्तुओं में) 16 और वस्तुओं को जोड़ रहे हैं, जिससे खाद्य वस्तुओं की कुल संख्या 38 हो जाएगी जिनकी कीमतों पर रोजाना नजर रखी जाएगी।'

पीएमएस ऐप भी शुरू

मंत्री ने एक अद्यतन 'पीएमएस मोबाइल ऐप संस्करण 4.0' भी शुरू किया, जो मूल्य रिपोर्टिंग केंद्रों को 38 वस्तुओं पर दैनिक रिपोर्ट करने में मदद करेगा। मंत्री ने कहा, 'हमें दैनिक आधार पर 38 वस्तुओं की वास्तविक मूल्य स्थिति का पता चलेगा। हमें मूल्य वृद्धि के बारे में जानकारी मिलेगी। इससे नीति-निर्माण और कीमतों में अस्थिरता को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।'

सट्टा व जमाखोरी पर रोक लगेगी

सरकार द्वारा इस प्रकार के बाजार हस्तक्षेप से न केवल उचित बाजार संकेतक भेजने में मदद मिलेगी, बल्कि सट्टा व जमाखोरी की गतिविधियों पर भी रोक लगेगी।

आरबीआई ने और जिंसों को जोड़ने का दिया सुझाव

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा, ''ये 38 जिंस कुल सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति) भार का करीब 31 प्रतिशत हिस्सा हैं, जबकि 22 जिंसों सीपीआई भार का 26.5 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने विभाग को मूल्य निगरानी के लिए और जिंसों को जोड़ने का सुझाव दिया है।

पीएसएफ के तहत 10 हजार करोड़ आवंटित

सरकार पहले 22 जिंसों - चावल, गेहूं, आटा, चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल, मसूर दाल, चीनी, गुड़, मूंगफली तेल, सरसों तेल, वनस्पति, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम तेल, चाय, दूध, आलू, प्याज, टमाटर और नमक की निगरानी कर रही थी। मंत्री ने बताया कि सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

- केंद्र पहले ही 22 आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर नजर रख रहा
- अब कुल खाद्य वस्तुओं की संख्या 38 हो जाएगी जिस पर नजर होगी
- खाद्य वस्तुओं में बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा आदि शामिल

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्याज, आलू और दालों जैसी पहचान की गई कृषि-बागवानी जिंसों की मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों से निपटने के लिए इस कोष की स्थापना की गई है। कीमतों को नियंत्रित करने में मदद के लिए इन जिंसों को विनियमित ढंग से जारी करने के लिए खरीदा और संग्रहीत किया जाता है।

हल्दी पाउडर व केला भी शामिल

ये 16 खाद्य पदार्थ हैं बाजरा (साबुत), ज्वार (साबुत), रागी (साबुत), सूजी (गेहूं), मैदा (गेहूं), बेसन, घी, मक्खन (पाश्चुरीकृत), बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर और केला। विभाग में मूल्य निगरानी प्रभाग (पीएमडी) चयनित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखने के लिए जिम्मेदार है।

निफ्टी पहली बार 25,000 अंक के पार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और सेंसेक्स 126 अंक चढ़कर नये शिखर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी पहली बार 25,000 अंक के स्तर को पार कर गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बैंक और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार में मजबूती रही।

- सेंसेक्स 126 अंक चढ़कर नए शिखर पर
- बैंक व पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में रही मजबूती

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.21 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 81,867.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 59.75 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ नये शिखर 25,010.90 अंक पर बंद हुआ। विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के प्रमुख के मुद्रास्फीतिक दबाव में कमी के कारण सितंबर में नीतिगत दर में कटौती पर विचार के संकेत से बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा।

पावर ग्रिड व नेस्ले में तेजी

सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, मारुति सुजुकी इंडिया और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

महिंद्रा व टाटा स्टील में गिरावट

इसके उलट, नुकसान में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स शामिल हैं।

इन्फोसिस के समर्थन में आया नैसकॉम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों का शीर्ष संगठन नैसकॉम बृहस्पतिवार को इन्फोसिस के समर्थन में खुलकर सामने आया। उसने इन्फोसिस को 32,403 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नोटिस भेजे जाने पर कहा कि यह कदम उद्योग के परिचालन मॉडल से जुड़ी समझ की कमी को दर्शाता है।

- इंफोसिस को 32,403 करोड़ का जीएसटी नोटिस भेजा गया
- दिग्गज आईटी कंपनी ने इसे 'पूर्व-कारण बताओ' नोटिस बताया

सॉफ्टवेयर एवं सेवा कंपनियों के संगठन नैसकॉम ने बयान में कहा कि हालिया कर मांग आईटी क्षेत्र से जुड़े व्यापक मुद्दों को रेखांकित करती है जिसकी वजह से कई कंपनियों को अनचाहे मुकदमों और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

उद्योग निकाय ने इन्फोसिस का नाम न लेते हुए कहा, '320 अरब रुपये से अधिक की जीएसटी मांग की हालिया मीडिया रिपोर्ट उद्योग के परिचालन मॉडल के बारे में समझ की कमी को दर्शाती है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने वर्ष 2017 से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए इन्फोसिस को अपनी विदेशी शाखाओं से मिली सेवाओं के एवज में 32,403 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। यह कर नोटिस पूर्व-प्रभाव वाली व्यवस्था (आरसीएम) के आधार पर भेजा गया है। दिग्गज आईटी कंपनी ने इसे 'पूर्व-कारण बताओ' नोटिस बताते हुए कहा है कि उसके हिसाब से इन खर्चों पर जीएसटी लागू नहीं होता है।

नेसकॉम ने कहा, यह सेवा आयात का मामला नहीं

नैसकॉम ने दलील दी है कि जीएसटी अधिकारी ऐसे मामलों में कंपनी के भारतीय मुख्यालय द्वारा अपनी विदेशी शाखाओं को भेजे गए धन पर नोटिस जारी कर रहे हैं। लेकिन अधिकारी इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि यह शाखा से मुख्यालय द्वारा 'सेवा के आयात' का मामला नहीं है।

जुलाई में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.82 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में 10.3 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। सरकार की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कुल रिफंड 16,283 करोड़ रुपये रहा। इस रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 14.4 प्रतिशत बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले महीने में घरेलू गतिविधियों से सकल कर राजस्व 8.9 प्रतिशत बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं आयात से प्राप्त जीएसटी राजस्व 14.2 प्रतिशत बढ़कर 48,039 करोड़ रुपये रहा। इस साल अप्रैल में जीएसटी राजस्व 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

- अब नीतिगत दर घटकर पांच फीसदी पर आ गई
- कोविड के समय ब्रिटेन ने ब्याज दर में कटौती की थी

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने चार साल में पहली बार ब्याज दर घटाई

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने करीब साढ़े चार साल बाद नीतिगत ब्याज दर में बृहस्पतिवार को पहली बार कटौती की। अब नीतिगत दर घटकर पांच प्रतिशत पर आ गई है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक नीति समिति ने बहुमत से प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया। इस कटौती के बाद नीतिगत दर 16 साल के उच्चस्तर 5.25 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत पर आ गई। यह वर्ष 2020 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी आने के बाद पहला मौका है जब ब्रिटेन की नीतिगत ब्याज दर में कटौती हुई है। कई बार बढ़ोतरी होने के बाद पिछले एक साल से ब्याज दर में कोई भी बदलाव नहीं हुआ था। खुदरा मुद्रास्फीति के दो प्रतिशत के लक्ष्य के भीतर आने से दरों में कटौती की संभावना जताई जा रही थी। मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद केंद्रीय बैंक के गवर्नर एंड्रयू बेली ने कहा, ''मुद्रास्फीति से जुड़े दबाव इतने कम हो गए हैं कि हम ब्याज दर में कटौती कर पाने में सफल रहे हैं।

केंद्रीय बैंक सतर्क रवैया अपनाए हुए

हालांकि, धीरे-धीरे मुद्रास्फीति के काबू में आने पर नीतिगत दर में कटौती का सिलसिला शुरू हुआ है। इस दौरान केंद्रीय बैंकों ने सतर्क रवैया जरूर अपनाया हुआ है।

कोल इंडिया के उत्पादन में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि...

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों में 6.6 प्रतिशत बढ़कर 24.43 करोड़ टन हो गया। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बीएसई को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई अवधि में कंपनी का उत्पादन 22.91 करोड़ टन रहा था। कंपनी का उत्पादन जुलाई में 2.5 प्रतिशत बढ़कर 5.5 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में यह 5.37 करोड़ टन था। अप्रैल-जुलाई अवधि में कंपनी की आपूर्ति बढ़कर 25.72 करोड़ टन हो गई। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 24.63 करोड़ टन थी। कंपनी की आपूर्ति जुलाई में 5.96 करोड़ टन रही जबकि पिछले वर्ष इसी माह यह 5.95 करोड़ टन थी। कोल इंडिया की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

बैंकिंग सिस्टम में वापस आए दो हजार के 97.92 फीसदी नोट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- चलन से हटाए गए केवल 7409 करोड़ के नोट लोगों के पास

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2,000 रुपये के 97.92 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,409 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब लोगों के पास हैं।

आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। उन्नीस मई, 2023 की स्थिति के अनुसार, उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 जुलाई, 2024 को घटकर 7,409 करोड़ रुपये रह गया। ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये के 97.92 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ गये हैं। दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। चलन से हटाये गये 2,000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।

रैनसमवेयर अटैक के चलते बैंकों का काम प्रभावित

भारत में साइबर अटैक की चपेट में 300 बैंक, कामकाज बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय बैंकिंग सिस्टम पर एक बड़ा साइबर अटैक किया गया है। इसके चलते लगभग 300 छोटे बैंक प्रभावित हुए हैं। इस रैनसमवेयर अटैक के चलते इन स्थानीय बैंकों को अपना कामकाज बंद करना पड़ा है। इस हमले की शिकार एक सी-एज टेक्नोलॉजीस कंपनी हुई है। यह इन सभी बैंकों को टेक्निकल सपोर्ट देती है।

- यूपीआई से पेमेंट सिस्टम भी हुआ ठप

नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने फिलहाल अस्थायी रूप से इस कंपनी के काम पर रोक लगा दी है। सूत्रों के हवाले से आई इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सी-एज टेक्नोलॉजीस पर हुए इस साइबर अटैक के चलते देश के लगभग 300 छोटे बैंकों का पेमेंट सिस्टम ठप पड़ गया। यह कंपनी पूरे देश में बैंकिंग टेक्नोलॉजी सिस्टम उपलब्ध कराती है।

पेमेंट सिस्टम नेटवर्क से बाहर रहेंगे 300 बैंक

एनपीसीआई के अनुसार, सी-एज टेक्नोलॉजीस की सर्विसेज का इस्तेमाल कर रहे बैंकों के कस्टमर कुछ समय तक पेमेंट सिस्टम का इस्तेमाल नहीं कर पाए। सूत्रों ने कहा है कि देश के पेमेंट सिस्टम पर गलत प्रभाव को रोकने के लिए फिलहाल ये 300 बैंक पेमेंट नेटवर्क से बाहर ही रहेंगे। उन्होंने बताया कि इनमें से ज्यादातर छोटे बैंक हैं। देश के कुल पेमेंट सिस्टम में इनकी सिर्फ 0.5 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी वजह से लोगों को ज्यादा समस्या नहीं आएगी। फिर भी इसका असर कुछ समय तक पेमेंट सिस्टम पर दिखाई दे सकता है।

आरबीआई ने दी थी चेतावनी

भारत में लगभग 1,500 कोऑपरेटिव और रीजनल बैंक हैं। इनमें से ज्यादातर का कारोबार बड़े शहरों के बाहर होता है। सूत्रों ने कहा कि इनमें से कुछ बैंक प्रभावित हुए हैं। एनपीसीआई फिलहाल ऑडिट करने में जुटी हुई है ताकि यह रैनसमवेयर अटैक ज्यादा बैंकों तक न फैले। बैंकिंग सेक्टर हमेशा से साइबर अपराधियों के निशाने पर रहा है। आरबीआई के अलावा अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाल ही में कई बार भारतीय बैंकों को संभावित साइबर हमलों के बारे में चेतावनी दी थी।

सी-एज टेक्नोलॉजीस पर फिलहाल लगी रोक

हालांकि, इस मामले पर फिलहाल सी-एज टेक्नोलॉजीस ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी इस बड़े साइबर अटैक को लेकर चुप्पी साध ली है। हालांकि, भारत में पेमेंट सिस्टम की रेगुलेटर एनपीसीआई ने बुधवार देर रात जानकारी दी कि उन्होंने सी-एज टेक्नोलॉजीस पर फिलहाल कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। यह कंपनी अगले आदेश तक रिटेल पेमेंट सिस्टम का हिस्सा नहीं होगी।

सोना 550 और चांदी 600 रुपए तेज

नई दिल्ली। घरेलू मांग तथा सकारात्मक वैश्विक रुख के कारण स्थानीय सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 550 रुपये की तेजी के साथ 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सोने और चांदी पर सीमा शुल्क में कटौती की सरकार की बजट घोषणा के कारण हुई तीव्र गिरावट से उबरते हुए सोने में लगातार तीसरे दिन तेजी आई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

अदाणी पोर्टस का पहला तिमाही मुनाफा 47% बढ़ा

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली जून में समाप्त तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 3,107 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 2,119 करोड़ रुपये रहा था।

बादल फटने से कई मकान जमींदोज, स्कूल डूबे और पहाड़ भी दरके

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। गुरुवार को कुल्लू और मंडी में बादल फटने की घटना हुई है। जगह-जगह जलभराव की स्थिति है। नदियां ऊफान पर हैं।

कई मकान जमींदोज हो गए। कई स्कूल तेज बहाव में बह गए हैं। आनी के निरमंड में 2जगह, कुल्लू के मलाणा, मंडी जिले के थलटूखोड़, लाहौल के जाहलमा व चंबा जिले में बादल फटे हैं। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 50 से अधिक लोग अभी लापता हैं। अब तक 4 शव बरामद हुए हैं। इनमें से 2 थलटूखोड़ व दो बागीपुल क्षेत्र से बरामद हुए हैं। बादल फटने से करीब 4 पुल व 15 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंडी जिले में 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। कुल्लू में भी सभी शिक्षण संस्थान 2 अगस्त के लिए बंद कर दिए गए हैं।

हिमाचल में पहाड़ से मैदान तक कुदरत ने मचाई तबाही

कई कर्मचारी लापता, 15 स्थानों पर हाहाकार सेना तैनात

पावर प्लांट प्रोजेक्ट में लोग काम कर रहे थे। कई कर्मचारी बह गए, अभी तक वे लापता ही बताए जा रहे हैं। 15 ऐसे इलाके सामने आए हैं जहां पर सबसे ज्यादा तबाही देखने को मिली है। कुर्पण, समेज और गानवी खड्ड में इस समय बाढ़ जैसी स्थिति बन चुकी है। नाले उफान पर चल रहे हैं।व्यास नदी भी इस समय खतरे के निशान से ऊपर है। कई निर्माणधीन इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। एनएच 3 भी बाधित हो गया है, लंबा ट्रैफिक जाम लगा है, कई गाड़ियां फंसी हुई हैं।

केदारघाटी में भारी नुकसान

उत्तराखंड में 10 लोगों की मौत, 4 लापता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बुधवार को हुई भारी बारिश से कई जगह जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग लापता हैं। टिहरी में तिलवाड़ा पुल बह गया है। जंगलचट्टी से भीमबली के बीच लिंचोली के पास बादल फटने से मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशाने से ऊपर पहुंच गया है। गौरीकुंड और सोनप्रयाग में बाजारों के साथ होट और लॉज को खाली करवा दिया। तप्तकुंड और केदारनाथ पैदल मार्ग को करीब 30 मीटर हिस्सा बह गया है। गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच चट्टान रास्ते पर गिरने की भी सूचना है। टिहरी के घनसाली में भिलंगना ब्लॉक के गौताड़ तोक में एक छोटा होटल ढहने से दंपती भानु व नीलम की मौत हो गई। गैरसैंण के रोहिड़ा में एक मकान पर मलबा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी ओर चमोली के बेलचोरी में मकान ढहने से दो लोग लापता हो गए हैं।

रात भर से बारिश जारी जयपुर भी पानी-पानी 11 जिलों में अलर्ट

जयपुर। जयपुर में सीजन की सबसे ज्यादा बरसात हुई है। बुधवार देर रात से जारी बारिश गुरुवार तकजारी रही। सुबह साढ़े पांच बजे तक ही जयपुर में 133 एमएम यानी चार इंच बारिश रिकॉर्ड हो चुकी। द्रव्यवती नदी अपने पूरे उफान पर है।

अगस्त, सितंबर में भी जमकर बरसेंगे बादल आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग की मानें तो भारत में अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि अगस्त के अंत तक अल-नीना की अनुकूल स्थितियां देखने को मिल सकती हैं।

खबर संक्षेप

सीएम आवास में गुंडा बिभव को फटकार

नई दिल्ली। आप से राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले में उच्चतम न्यायालय ने सीएम अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, बिभव ने इस तरह आचरण किया जैसे कोई गुंडा मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में घुसा हो। बिभव के वकील से पूछा कि 'क्या सीएम आवास निजी बंगला है?

एनबीसीसी के डीजीएम भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनबीसीसी के एक उप महाप्रबंधक को एक ठेकेदार से 5 लाख रुपएकी रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि लद्दाख में तैनात आरोपी डीजीएम वरुण पोपली ने ठेकेदार से कथित तौर पर 11 लाख की मांग की थी। वह कथित तौर पर दिल्ली में 5 लाख रुपए का आंशिक भुगतान करने के लिए सहमत हो गया।

पूजा की एंटीसेपेट्री बेल की अर्जी खारिज

नई दिल्ली। धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में आरोपी पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को पटियाला हाउस कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने पूजा की एंटी-सेपेट्री बेल की अर्जी को खारिज कर दिया है। पूजा का कहना था कि उसे डर है कि इस मामले में यूपीएससी की शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर में पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।

राजस्थान सरकार भी लाएगी यूसीसी बिल

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसकी कोई भी समयसीमा नहीं बताई है। प भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने सरकार से पूछा कि क्या वह उत्तराखंड की तर्ज पर यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल लाने की प्लानिंग कर रही है तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विचार कर रहे हैं।

शरद गुट के नेता जितेंद्र की गाड़ी पर हमला

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर स्वराज संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को हमला कर दिया। कुछ दिन पहले जितेंद्र आव्हाड ने एक निजी चैनल से बातचित में शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति संभाजी राजे के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इसी बयान के विरोध में 3 कार्यकर्ताओं ने आव्हाड की गाड़ी पर हमला कर दिया।

सदन में बजट पर चर्चा के बीच रेलमंत्री नाराज , विपक्ष के हंगामे पर वैष्णव ने सुनाई खरी-खरी

कांग्रेस के 58 साल के कार्यकाल में एक भी किमी रेलवे नेटवर्क पर 'कवच' प्रणाली नहीं लग सकी

हम काम करने वाले लोग, रील बनाने वाले नहीं अब आपकी 'झूठ की दुकान' नहीं चलने वाली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव सदन में बजट की चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा कटाक्ष किया। वे रेलवे को लेकर बात कर रहे थे कि तभी विपक्ष हंगामा करने लगा, जिस पर रेलमंत्री ने कहा कि हम आपकी तरह रील बनाकर दिखाने वाले लोग नहीं हैं। काम करने वाले लोग हैं।

ये क्या तरीका है, कुछ भी बीच में बोल देते हैं? रेलवे की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर 'झूठ की दुकान' चलाने का आरोप लगाते हुए वैष्णव ने कहा कि रेलवे में सुरक्षा की 'कवच' प्रणाली के आधुनिक संस्करण को देश के प्रत्येक किलोमीटर रेल नेटवर्क पर लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। वैष्णव ने यह भी बताया कि रेलगाड़ियों में सामान्य डिब्बों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए करीब ढाई हजार सामान्य कोच के उत्पादन का विचार सरकार ने किया है। 50 और अमृत ट्रेन के निर्माण का फैसला लिया गया है।

हो हल्ला से काम नहीं चलने वाला

रेलवे की अनुदान मांगों को मंजूरी

दरअसल, रेल मंत्रालय के लिए अनुदान की मांगों को लेकर गुरुवार को लोकसभा में तीखी बहस छिड़ गई। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने वक्तव्य में तमाम अहम बातें बताई। इसके बाद लोकसभा ने रेलवे की अनुदान मांगों को भी मंजूरी दे दी।

2019 में 'कवच' के लिए सबसे उच्चतम प्रमाण पत्र मिला

उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद 'कवच' प्रणाली के बारे में विचार किया गया और 2016 में इसे लागू करने का निर्णय ले लिया गया। 2019 में 'कवच' के लिए सबसे उच्चतम स्तर के प्रमाणपत्र को प्राप्त कर लिया गया जिसे प्राप्त करने की एक कठिन प्रक्रिया है। 17 जुलाई 2024 को कवच का संस्करण 4.0 स्वीकृत किया गया है।

प्रशिक्षण का कोर्स भी चलाया जा रहा

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा हमारे पास इस तकनीक के तीन विनिर्माता हैं, दो नए विनिर्माता जुड़ने वाले हैं, 8000 से अधिक इंजीनियर और कर्मियों को इसका प्रशिक्षण दिया गया है तथा छह विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया गया है। भारत में रेलवे का करीब 70 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि इससे आधे नेटवर्क के आकार वाले देशों ने एटीपी प्रणाली को लागू करने में करीब 20 साल लगाए।

10 वर्षों में 5 लाख दो हजार भर्तियां की

वैष्णव ने कहा कि रेलवे में 2014 से 2024 तक यानि एनडीए के 10 सालों में 5 लाख 2 हजार भर्तियां की गई हैं। रेल मंत्री ने लोकसभा में गरजते हुए कहा कि कांग्रेस की झूठ की दुकान अब नहीं चलेगी। रेलवे भारत की लाइफ लाइन है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा उन 12 लाख रेल कर्मियों का, 12 लाख के इस रेल परिवार का, जो दिन-रात लगकर, सर्दी-गर्मी, धूप-बारिश में भी लगकर प्रतिदिन करीब 20 हजार से अधिक ट्रेन चलाते हैं और देश की सेवा करते हैं।

आज 'सुरक्षा की भावना' से मंत्रालय काम कर रहा

उन्होंने कहा कि ट्रेनों की सुरक्षा के लिए स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली दुनिया के अधिकतर देशों में 1970 और 1980 के दशक में लगाई गई थी, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस के 58 साल के कार्यकाल में और 2014 से पहले तक भारत के एक भी किलोमीटर रेलवे नेटवर्क पर यह प्रणाली नहीं लग पाई। हम मानते हैं कि कांग्रेस के समय रेलवे में कई प्रयोग किए गए, लेकिन जिस संवेदना के साथ या जिस भावना से काम होना चाहिए, नहीं किया गया। ममता बेनर्जी के रेल मंत्री रहने के दौरान लागू 'टक्कर रोधी उपकरण' प्रणाली का उल्लेख किए जाने पर वैष्णव ने कहा कि 2006 में देश के करीब 1500 किलोमीटर रेल मार्ग पर यह प्रणाली लगाई गई। दुर्भाग्य से इसका कोई सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं था और 2012 में इसे हटा दिया गया।

गृह राज्यमंत्री राय ने कहा

आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पेश

सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के कुशल कामकाज को मजबूत करना है और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले हितधारकों के बीच अधिक स्पष्टता लाना है। विधेयक पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राज्यों के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं है।

संसद में बोले शेखावत

ईकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के लिए नीति बनाई

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हुए कहा कि पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत को समग्र रूप से प्रोत्साहन देता है। इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन को भी प्रोत्साहन दिया गया है। देश में इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने इकोटूरिज्म और सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीतियां तैयार की है।

राहुल पर बरसे अनुराग ठाकुर

नेहरू ने तो आरक्षण के विरोध में लिखा था पत्र मंडल आयोग की रिपोर्ट के खिलाफ थे राजीव

पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को जाति विवाद को लेकर कांग्रेस पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा और दावा किया कि यदि सामंतवादी सोच वाली कांग्रेस ने मंडल और काका कालेलकर की रिपोर्ट की राह में रोड़ा नहीं अटकाया होता, तो आज स्थिति कोई और होती। अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेहरू ने तो आरक्षण के विरोध में अपने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख दिया था, जबकि राजीव गांधी खुलेआम मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध करते थे।

राहुल के पूर्वज दलितों को बुद्धू कहते थे

ठाकुर ने कहा कि सांच को आंच नहीं। कुछ लोगों के मेरे भाषण से उनके विचारों को गहरी चोट लगी है, जिसका असर हुआ कि पूरे ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया है। यह वही लोग हैं जिनके पूर्वज देश के पिछड़ो, दलितों और वंचितों को बुद्धू कहा करते थे। जो लोग आज तक लेगेसी की मलाई खाते आ रहे रहे हैं, आज उनके मुंह में सवाल की खटाई क्या पड़ी, ये झूठ बोलकर अपनी जग हंसाई करवा रहे हैं। लम्हों ने ख़ता की थी, सदियों ने सजा पाई।

वे राजा बनना चाह रहे, दिमांग बच्चे जैसा: कंगना

कंगना रणौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक के बाद एक कई पोस्ट साझा किए हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए लिखा है, 'विपक्ष का दोमुंहा चेहरा'। अपनी जाति का कुछ अता पता नहीं। नानू मुस्लिम, दादी पारसी, मम्मी क्रिश्चियन और खुद ऐसा लगता है जैसे पास्ता को कड़ी पत्ते का तड़का लगाकर खिचड़ी बनाने की कोशिश की हो और इनको सबकी जाति पता करनी है। कंगना ने लिखा है, 'यह मुझे राहुल गांधी की याद दिलाता है... हा हा वsराजा बनना चाहते हैं लेकिन उनका दिमाग एक बच्चे जैसा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

बच्चे पर सिर्फ माता-बाप का ही नहीं दादा-दादी का भी बराबर का हक है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे पर सिर्फ मां-बाप का ही हक नहीं होता है। दादा-दादी का भी उतना ही हक होता है।

कोर्ट ने यह फैसला 4साल की एक बच्ची के मामले में सुनाया। कोर्ट ने बच्ची की मां से यह भी कहा है कि वह बच्ची के दस्तावेजों से पिता का नाम न हटाए। इतना ही नहीं कोर्ट ने महिला को उसकी बच्ची की दादा-दादी से वीडियो कॉल पर बात कराने का भी आदेश दिया है। एक महिला 4 साल की बच्ची को लेकर जर्मनी चली गई। पिता ने बेटी को पेश के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका

दाखिल की। बेंच ने कहा कि चूंकि बच्ची अभी बहुत छोटी है इसलिए उसे अभी मां के साथ रहना चाहिए। बच्ची को उसके दादा-दादी से भी वीडियो कॉल पर बात कराई जाए। कोर्ट ने मां से यह भी कहा कि बच्ची भले ही मां के साथ रह रही है लेकिन उसकी राष्ट्रीयता भारतीय रहनी चाहिए।

झारखंड विधानसभा

भाजपा के 18 विधायक सस्पेंड मार्शलों ने उन्हें किया बाहर

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में भाजपा के 18 विधायकों को अशोभनीय आचरण करने के लिए दो अगस्त दोपहर दो बजे तक विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। इन्हें मार्शलों की मदद से सदन से बाहर निकाला गया क्योंकि निलंबन के बाद इन विधायकों ने सदन से बाहर जाने से इंकार कर दिया था। ये विधायक एक दिन पहले विपक्षी विधायकों को मार्शलों की मदद से सदन से बाहर निकाले जाने का विरोध कर रहे थे। एक दिन पहले विपक्षी भाजपा और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के विधायकों को सदन से मार्शलों की मदद से बाहर निकाला गया था।

जल लेकर लौटते कांवड़िए

हरिद्वार। श्रावण के पवित्र महीने में गुरुवार को गंगा जल लेकर लौटते हुए कांवड़िए।

चांदीपुरा वायरस ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाला

गुजरात के बाद राजस्थान में भी संक्रमण की दस्तक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात के कई शहरों में करीब दो महीने से रिपोर्ट किए जा रहे चांदीपुरा वायरस के मामले स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक अब तक राज्य में 59 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। चांदीपुरा वायरस के कारण एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) का खतरा देखा जाता रहा है जिसे स्वास्थ्य विशेषज्ञ गंभीर और जानलेवा जोखिमों वाला मानते हैं। छोटे बच्चों में एईएस के मामले गंभीर और जानलेवा हो सकते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दी चेतावनी

कई राज्यों में लोगों को किया गया अलर्ट

जून की शुरुआत से गुजरात में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के कई मामले सामने आए हैं। 31 जुलाई 2024 तक देश में एईएस के 148 मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इसमें गुजरात के 24 जिलों से 140,

गुजरात में नेशनल ज्वॉइंट आउटब्रेक रिस्पांस टीम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी उपायों और महामारी को लेकर विस्तृत जांच करने में गुजरात सरकार की सहायता के लिए नेशनल जॉइन्ट आउटब्रेक रिस्पांस टीम (एनजेओआरटी) भी तैनात की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुजरात सहित चांदीपुरा वायरस का खतरा कई राज्यों में बढ़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं।

चांदीपुरा वायरस से अब तक 51 लोगों की मौत

गुजरात में चांदीपुरा वायरस और एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामलों से अब तक 51 मरीजों की मौत हो गई है। एईएस के 31 जुलाई तक 148 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 140 गुजरात, मध्य प्रदेश से 4, राजस्थान से 3 और महाराष्ट्र से 1 से हैं। इनमें से 59 मामलों में मौत हो चुकी है जबकि 51 मामलों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक 19 जुलाई से एईएस के नए मामलों में गिरावट देखी जा रही है।

नीट पेपर लीक मामला

भुवनेश्वर से सीबीआई ने 3 को दबोचा, 5 अगस्त तक रिमांड पर

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर/ पटना

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने तीन अन्य आरोपितों को भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया है। इनमें रंजीत कुमार, अमित प्रसाद और धीरेंद्र कुमार शामिल हैं। इन्हें मंगलवार की देर रात को गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तारी के बाद इन तीनों को पटना स्थित सीबीआई की विशेष दंडाधिकारी कुमारी रिंकू की कोर्ट में बुधवार को पेश किया गया। यहां से केंद्रीय जांच एजेंसी की अपील पर इन्हें 5 अगस्त तक के लिए रिमांड पर भेज दिया गया। इनसे पूछताछ में कई अहम बातों के खुलासे की

संभावना है। गिरफ्तार किए गए ये तीनों सेटर गैंग के सदस्य बताए जा रहे हैं। इनकी भूमिका पेपर लीक में काफी अहम रही है। इन तीनों से पूछताछ में कई अहम बातों का खुलासा हो सकता है। साथ ही संजीव मुखिया, अतुल वत्स समेत कुछ अन्य बड़े सेटरों के बारे में अहम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)